A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 11 सितंबर, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 14, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

सीएए एक्स्टेंशन से क्यों प्रसन्न हैं बांग्लादेश के हिंदू ?

दीप हलदर

बांग्लादेश के हिंदू'Man Bites Dog 'सिंड्रोम के शिकार हो गए हैं ङ्क यानी भारतीय मीडिया में यह खबर असामान्य लगती है और स्थानीय प्रेस में इसे नज़रअंदाज किया जाता है। एक प्रमुख भारतीय न्यूज़ वेबसाइट में काम करने वाले एक पूर्व सहकर्मी ने बताया कि उनके संपादक ने बांग्लादेश में दुर्गा पूजा संघों पर खबर चलाने के विचार को ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें इस्लामवादियों की धमकियों के कारण पूजा पंडालों के लिए प्रायोजक नहीं मिल पा रहे थे।

संपादक ने कहा, अगर हिंदुओं ने इस्लामवादियों पर हमला किया होता, तब यह खबर बनती। मैं उन्हें दोष नहीं दे सकता। मैंने बांग्लादेश के हिंदुओं पर किताब लिखी है और दो साल तक उनकी स्थिति की रिपोर्टिंग की है, इसलिए मेरे लिए यह मुद्दा अब नया नहीं है।

लेकिन अब इस कहानी में एक नया पहलू जुड़ा है। भारतीय सरकार ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों के लिए समय सीमा बढ़ा दी है, ताकि वे बिना वैध यात्रा दस्तावेज़ के भी देश में कानूनी तौर पर रह सकें। जो लोग 31 दिसंबर 2024 से पहले भारत आए थे, उन्हें रहने की अनुमति दी जाएगी।

यह बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए मददगार हो सकता है क्योंकि उनके देश में उनका इंतज़ार सिर्फ हिंसा, जबरन धर्म परिवर्तन या इशनिंदा कानून के तहत जेल है, लेकिन सवाल यह है कि इस मुद्दे पर अब तक आपने उनसे कोई आवाज़ क्यों नहीं सुनी?

क्या बांग्लादेश में हिंदू बोल सकते हैं? संक्षिप्त जवाबॅ नहीं, वे बोल नहीं सकते। भारत में मेडिकल वीज़ा पर लंबे समय से रह रहे बांग्लादेशी हिंदू कार्यकर्ता रंजीत रॉय ने बताया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विस्तार शायद उनकी जान बचा सकता है। रोज़ाना हो रहे खुली इस्लामी हिंसा के बीच मेरे लिए देश लौटना असंभव है। मैं बांग्लादेश में टार्गेट किए गए व्यक्तियों में से हूं।

रॉय ने आगे कहा कि सीएए भारत की भू-रणनीति का भविष्य है। 1950 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए लियाकत-नेहरू समझौते की विफलता—जो अल्पसंख्यक अधिकारों को लेकर किया गया था, इसे भारतीय राज्य के लिए नैतिक जिम्मेदारी बनाता है कि पड़ोसी देशों से उत्पीड़ित हिंदुओं को वापस लाया जाए। रॉय ने कहा, ÷बांग्लादेश पाकिस्तान नहीं था। 1971 में उसने अलग रास्ता चुना और ईस्ट पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया। आज वही देश पिछली राह पर लौट गया है। हम उम्मीद करते हैं कि लगभग 2 करोड़ हिंदू मई 2026 तक CAA विस्तार का लाभ उठाएंगे।

रॉय के अनुसार, बांग्लादेश के हिंदू केवल असहाय नहीं हैं; उनकी आवाज़ दबा दी गई है। वरिष्ठ हिंदू पत्रकार बिभुरंजन सरकार की लाश 22 अगस्त को मुन्शीगंज के गजारिया के चार बालकी इलाके में मेघना नदी से बरामद हुई, दो दिन बाद जब वह लापता हुए थे। 21 अप्रैल को 'द डेली स्टार' के दिनाजपुर संवाददाता कोंगकॉन कर्माकर को ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए नौकरी से निकालने की सूचना मिली। कर्माकर ने 17 अप्रैल को पूजा उद्धापन परिषद से जुड़े 55 साल के हिंदू नेता भावेश चंद्र रॉय के अपहरण पर रिपोर्ट की थी। बाद में भावेश चंद्र रॉय की लाश मिली। इस मामले की रिपोर्टिंग को भारत सहित कई मीडिया आउटलेट्स ने उद्धृत किया।

3 मई को द हिंदू ने न्यू दिल्ली स्थित राइट्स एंड रिस्क एनालिसिस ग्रुप की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आठ महीने में अंतरिम बांग्लादेश सरकार ने 640 पत्रकारों को निशाना बनाया, जिससे मीडिया स्वतंत्रता पर अंकुश लगा। बांग्लादेशी ब्लॉगर आज़म खान ने बताया कि सिर्फ मुख्यधारा के मीडिया पर ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया यूजर्स को भी निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युनुस प्रशासन और हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा की आलोचना करने वाले पोस्ट को ब्लॉक किया जा रहा है।जबकि मेरी पोस्ट वही संगठनों के खिलाफ थी, जो बांग्लादेश में सभी उदार मूल्यों को नष्ट करना चाहते हैं।

पूर्व बांग्लादेशी राजदूत मोरक्को मोहम्मद हारून अल रशीद ने कहा कि प्रेस और सोशल मीडिया पर प्रतिबंधों, भीड़ द्वारा हमलों, बलात्कार, इशनिंदा कानून के तहत गिरफ्तारियों और जबरन धर्म परिवर्तन के कारण पिछले साल अत्याचार बढ़ गए हैं। आप थक जाएंगे अगर आप गिनने की कोशिश करें कि कितने हिंदू बांग्लादेशियों को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के झूठे आरोप में गिरफ्तार किया गया।

अल्पसंख्यक अधिकारों के मुद्दे पर सबसे विश्वसनीय आवाज़ों में से एक, राणा दासगुप्ता, देश में छिपे हुए हैं। 70 से अधिक उम्र के और कैंसर से जूझ रहे दासगुप्ता बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट में वकील हैं और उन्होंने बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय फौजदारी न्यायाधिकरण में अभियोजक के रूप में भी सेवा की। वह बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई यूनिटी काउंसिल के महासचिव भी हैं। हसीना के पतन के बाद, दासगुप्ता के खिलाफ दो हत्या और दो हत्या प्रयास के मामले दर्ज हैं। जो राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। सीएए का विस्तार हमारे लिए बड़ी उम्मीद लेकर आया है। युनुस प्रशासन को अब हिंदुओं को बांग्लादेश छोड़ने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए।

सीएए की समय सीमा बढ़ाने के फैसले का भारत में भी विरोध हुआ है। तीन सितंबर को असम जातीय परिषद ने केंद्र के इस फैसले के खिलाफ प्रदर्शन किया और इसे 'सबसे बड़ा अपराध' बताया। AJP अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई और महासचिव जगदीश भूयन ने मीडिया से कहा, बीजेपी नेताओं को अच्छी तरह पता है कि असमिया बोलने वालों की संख्या साल दर साल घट रही है। हर दशक में असमिया बोलने वालों का अनुपात करीब 5 प्रति. कम हो जाता है। 2011 की जनगणना के मुताबिक, असम की सिर्फ 48 प्रतिशत आबादी असमिया बोलती है। कांग्रेस की असम इकाई और आम आदमी पार्टी ने भी केंद्र के फैसले की निंदा की है।

पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में भी सीएए को लेकर जबरदस्त बहस छिड़ी हुई है। बंगाल बीजेपी ने जहां इस कदम का स्वागत किया, वहीं तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुनाल घोष ने कहा, यह सिर्फ मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है क्योंकि बीजेपी यहां चुनाव से पहले CAA, NRC और SIR के नाम पर लोगों को गुमराह कर अपना एजेंडा पूरा करना चाहती है।÷ लेकिन सुरक्षा के लिए बेताब बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए यह बहस बहुत पहले ही खत्म हो चुकी है। 23 नवंबर 2023 को दिल्ली में मेरी किताब Being Hindu in Bangladesh के लॉन्च के समय लेखक-आर्थिक विशेषज्ञ संजीव सान्याल ने कहा था कि बांग्लादेशी हिंदू वे भारतीय हैं जिन्हें हमने पीछे छोड़ दिया था। अब वक्त आ गया है कि हम उन्हें वापस लाएं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बागेश्वर धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार पलटी

- नौगांव के पास हादसे में एक की मौत, एक घायल; नींद की झपकी आने से हादसा

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर के नौगांव थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह दौरिया गांव के पास एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर पलट गई। कार पलटने के बाद करीब 25 फीट दूर जाकर एक खेत में जा गिरी। हादसे में कार सवार दो व्यक्तियों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों बागेश्वर धाम से दर्शन कर लौट

रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नौगांव अस्पताल भेजा गया है। वहीं, घायल को पहले नौगांव अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मुख्यमंत्री का कोलकाता में निवेशकों से सीधा संवाद

प्रगतिपथ पर तेजी से गतिमान है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश प्रगति पथ पर तेजी से गतिमान है। उन्होंने कहा कि रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म के विजन को आत्मसात कर मध्यप्रदेश अपनी युवा शक्ति एवं उद्योग हितैषी नीतियों के साथ भारत के मानचित्र पर निवेश का ड्रीम डेस्टिनेशन बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसी कड़ी में बुधवार को कोलकाता में मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर इंटरैक्टिव सत्र में निवेशकों से सीधा संवाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपार निवेश से ही मध्यप्रदेश में एक समृद्ध परिवेश का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कोलकाता के नेता जी सुभाष चंद्र बोस एयरपोर्ट आगमन पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोलकाता में इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपोर्च्युनिटी इन म. प्र. का शुभारंभ किया।

एमपी में सब कुछ है, आप यहां से बैठे-बैठे वहां बिजनेस कर लेंगे...

निवेशकों को एमपी लाने के लिए सीएम मोहन यादव लगातार प्रयासरत हैं। अब कोलकाता में उद्योगपतियों से उन्होंने वन टू वन चर्चा की है। उन्होंने बंगाल के निवेशकों-उद्योगपतियों को बताया कि मध्यप्रदेश में उनके लिए अपार संभावनाएं हैं। वे चाहें तो बंगाल में बैठे-बैठे मध्यप्रदेश में व्यापार और निवेश कर सकते हैं। सरकार आपके व्यापार-निवेश की चिंता करेगी।

भारत की होगी 21वीं सदी- वहीं, सीएम मोहन यादव ने कार्यक्रम में कहा कि आधुनिक समय में कोलकाता की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वामी विवेकानंद ने लगभग 200 साल पहले बंगाल की माटी से कल्पना कर ली थी कि 21वीं सदी भारत की होगी। यहां से नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने ब्रिटिश शासन के दौर में सबसे कठिन परीक्षा पास कर युवाओं का उत्साह बढ़ाया है। मध्यप्रदेश सरकार ने निवेश केंद्रित 18 नई नीतियां लागू की हैं।

शांति का टापू है मध्यप्रदेश- इसके साथ ही सीएम ने कहा कि बंगाल के लोग हवा का रुख पहचानकर निवेश करते हैं। राज्य सरकार नई तकनीकों के साथ सुशासन और पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शांति का टापू है। यहां कोई हड़ताल नहीं होती। आप मध्यप्रदेश में फैक्ट्री लगाएं, यहीं से बैठकर फैक्ट्री चलती रहेगी। प्रदेश मध्य में है तो सभी दिशाओं में कनेक्टिविटी बेहतर है। मध्यप्रदेश हर सेक्टर में आगे बढ़ रहा है। बंगाल होजरी का बगीचा है। मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के धार में पीएम मित्र पार्क का प्रधानमंत्री मोदी शिलान्यास करने वाले हैं। प्रदेश में श्रेष्ठ गुणवत्ता का ऑर्गेनिक कॉटन उगाया जाता है। उन्होंने कहा कि बंगाल में गंगा सागर का किनारा भी है। भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर उतारकर सागर तक लेकर आए।

सुप्रभात

आओ कभी, सिखाऊँ तुमको
क्षमा पत्र कैसे लिखते हैं।
कई प्रार्थना पत्र लिखें हैं मान लिया,
बचपन में तुमने।
लेकिन मेरे मन के भीतर, प्रेमी है प्राचार्य नहीं है।
निश्चित छुट्टी मिल जाती हो,
प्रचलित प्रारूपों से प्रियवर,
लेकिन प्रणय पत्र में, नीरस वचन
कभी स्वीकार्य नहीं हैं।
प्रेम पाठशाला के भीतर,
अक्षर सदा मौन रहते हैं।
आओ कभी सिखाऊँ तुमको,
क्षमा पत्र कैसे लिखते हैं।

राहु, केतु शनि आदि दशायें भले
अगूँठी से मन जाएँ,
और मना ले रूठी किस्मत, पीपल
तले दिया रख कोई।

लेकिन रूठा यार मनाना, रूठे देव मनाने जैसा,
जिसमें गीत गंध सब हारी,कवि की
सब कविताई खोई।

सीखो कब गलहार पिन्हाना,
कैसे मनुहारें करते हैं।
आओ कभी सिखाऊँ तुमको,
क्षमा पत्र कैसे लिखते हैं।

- शिवा अवस्थी

इंदौर में बच्चों की मौत के बाद ऑपरेशन रैट किल

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के सरकारी एमवाय अस्पताल में चूहों के काटने से दो नवजातों की मौत के बाद पेस्ट कंट्रोल एजाइल कंपनी को हटाने की जानकारी सामने आई है। अब इस काम की मॉनिटरिंग के लिए डॉ. महेश कछारिया को असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट की नियुक्ति कर विशेष जिम्मेदारी दी गई है। अस्पताल में हर यूनिट के इंचार्ज डॉक्टर को चूहों का सफाया करने की ड्यूटी दी गई है।

फ्रांस में भारी बवाल, सरकार के खिलाफ हिंसात्मक प्रदर्शन

- प्रदर्शन 'ब्लॉक एवरीथिंग' के जरिए 1 लाख लोग सड़कों पर, कई जगह आगजनी

80 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए, 200 उपद्रवी गिरफ्तार

दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक बिजली लाइन को नुकसान पहुंचने के बाद ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं। गृह मंत्री ने प्रदर्शनकारियों पर विद्रोह का माहौल बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। फ्रांस बंद का आह्वान लेफ्ट पार्टियों ने किया है। इस प्रदर्शन को 'ब्लॉक एवरीथिंग' नाम दिया गया।

पेरिस (एजेंसी)। नेपाल के बाद अब फ्रांस में भी सरकार के विरोध में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। बजट में कटौती के खिलाफ और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के इस्तीफे की मांग को लेकर 1 लाख से ज्यादा लोग बुधवार को सड़क पर आ गए।

गृह मंत्री ब्रूनो रेतेयो ने बताया,प्रदर्शनकारियों ने रेन शहर में एक बस को आग लगा दी।

प्रदर्शन की 4 वजह

- **राष्ट्रपति मैक्रों की नीतियां-** जनता के एक बड़े वर्ग को लगता है कि मैक्रों की नीतियां आम लोगों के हितों के खिलाफ हैं और अमीर वर्ग को फायदा पहुंचाती हैं।
- **बजट में कटौती-** सरकार ने खर्चों में कटौती, कल्याणकारी योजनाओं में कमी और आर्थिक सुधार लागू किए हैं। इससे आम जनता खासकर मध्यमवर्ग और श्रमिक वर्ग पर दबाव बढ़ा है।
- **2 साल में 5 पीएम-** हाल ही में सेबास्टियन लेकोर्नू को प्रधानमंत्री बनाया गया है। यह दो साल से भी कम समय में पांचवें प्रधानमंत्री हैं। इससे लोगों में अस्थिरता और असंतोष बढ़ गया है। प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि उनकी नियुक्ति की शुरुआत से ही सरकार पर दबाव बनाया जाए।
- **ब्लॉक एवरीथिंग आंदोलन-** वामपंथी गठबंधन और जमीनी संगठनों ने इस नारे के साथ आंदोलन शुरू किया है ताकि देशव्यापी ठप की स्थिति पैदा करके सरकार को झुकने पर मजबूर किया जा सके।ये प्रदर्शन ऐसे समय हो रहे हैं। जब फ्रांस के नए प्रधानमंत्री, सेबास्टियन लेकोर्नू अपना कार्यभार संभालने जा रहे हैं।

सेना के कब्जे में नेपाल फिर भी हिंसा जारी

- * वीरान सड़कें, दुकानों पर ताले... जलते नेपाल में बड़ी संख्या में पर्यटक फंसे
- * 13 हजार कैदी हुए फरार; 27 उपद्रवी गिरफ्तार, सीमा पर हाई अलर्ट
- * काठमांडू एयरपोर्ट फिर से खोला गया, सुप्रीम कोर्ट में खाक हुईं 25 हजार फाइलें

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी आंदोलन का बुधवार को तीसरा दिन था हिंसक प्रदर्शन रोकने के लिए सेना ने मंगलवार रात 10 बजे से पूरे देश का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया था। इसके बाद भी कई इलाकों में हिंसा जारी है।

प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार शाम को सुप्रीम कोर्ट में आग लगा दी थी, जिसके चलते 25 हजार से ज्यादा केस फाइलें राख में बदल गईं। वहीं, आज सेना ने 27 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है।हिंसा और आगजनी के बीच पर्यटकों ने बताया शहर में कर्फ्यू लगा हुआ है। साथ ही सारी दुकानें बंद हैं। दुकानों पर ताले लटके हैं। साथ ही सड़कें वीरान पड़ी हैं। ये लोग यहां से पशुपतिनाथ मंदिर जाने वाले थे लेकिन कर्फ्यू के

कारण नहीं जा पाए। होटल से इन्हें निकलने नहीं दिया जा रहा है।

सेना का कहना है कि ये लोग स्थिति का गलत फायदा उठाकर तोड़फोड़, अराजकता, लूटपाट, आगजनी और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 33.7 लाख रुपए नकद भी बरामद किए हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 11 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

बंगाली में और ज्यादा बोलो, डरने की जरूरत नहीं: ... मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जनता से आग्रह कि वे बंगाली में ज्यादा बोलें और डरें नहीं। उनका यह बयान राज्य के प्रवासी मजदूरों पर हो रहे कथित हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। बनर्जी ने कहा, बंगाली में ज्यादा बोलो, डरो मत। हम स्पष्ट कहना चाहते हैं कि हम अपनी मातृभाषा यानी बंगाली ही बोलेंगे। लेकिन हम दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो प्रवासी मजदूर वापस बंगाल लौटेंगे, उन्हें सरकार की ओर से पांच हजार रुपये दिए जाएंगे और उनके बच्चों को नजदीकी स्कूल में दाखिला मिल सकेगा। जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, मैं रोज अपमान झेलती हूं, क्योंकि मैं बंगाल का विकास चाहती हूं। नेपाल की स्थिति पर ममता बनर्जी ने कहा, नेपाल में फंसे पर्यटकों की स्थिति को मैं गंभीरता से ले रही हूं।

ट्रम्प बोले-मोदी अच्छे दोस्त, ट्रेड बैरियर पर उनसे बात करूंगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत-अमेरिका ट्रेड डील नेगोशिएशन और टैरिफ टेंशन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि वॉशिंगटन और दिल्ली के बीच चल रही बातचीत जल्द किसी बेहतर नतीजे पर पहुंचेगी। ट्रम्प ने कहा कि वे सभी तरह के ट्रेड बैरियर खत्म करने के लिए आने वाले हफ्तों में प्रधानमंत्री मोदी से बात करेंगे।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका दोनों देशों के बीच ट्रेड बैरियर को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। आने वाले हफ्तों में मैं अपने बहुत अच्छे दोस्त, पीएम मोदी से बात के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों महान देशों के लिए एक सफल नतीजे पर पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। ट्रम्प के इस पोस्ट के करीब 5 घंटे बाद पीएम मोदी ने भी एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'भारत और अमेरिका' अच्छे दोस्त और नेचुरल पार्टनर हैं।

पत्नी से अफेयर... बॉस ने मार डाला

- **बर्थडे पर साथ में फोटो खिंचवाई, तो हुआ शक, लखनऊ पुलिस ने कंपनी मालिक को पकड़ा**

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में 26 साल के रिकवरी एजेंट कुणाल शुक्ला की हत्या अफेयर के चलते की गई थी। कुणाल का उसके बॉस की पत्नी से अफेयर था। उसकी कुछ तस्वीरें भी मिली हैं, जिनमें वो बर्थडे पर एक-दूसरे को केक खिलाते दिख रहे हैं। बॉस को भी पत्नी और कुणाल के बीच अवैध संबंध का शक था। कुणाल की शादी नहीं हुई थी। इसी वजह से उसके बॉस ने कुणाल की हत्या की प्लानिंग की।कुणाल का शव बंथरा इलाके में स्वास्तिक फाइनेंस के ऑफिस में मिला था। उसका सिर ईंट से कूच दिया गया था और आंखें फोड़ दी गई थीं। हत्यारे सीसीटीवी तोड़कर डीवीआर भी उठा ले गए थे। कुणाल का मोबाइल भी ले गए हैं।

नेपाल और बांग्लादेश के विरोध प्रदर्शनों पर बोला सुप्रीम कोर्ट

हमें अपने संविधान पर गर्व है, पड़ोसियों को देखो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल और बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों का जिक्र बुधवार को राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में हुआ। कोर्ट में ये जिक्र उस सुनवाई के दौरान हुआ जो 12 अप्रैल के उस आदेश पर था जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपालों के लिए राज्यों के विधेयकों को मंजूरी देने की समय-सीमा तय की गई थी।

भारतीय संविधान का जिक्र करते हुए, जिसमें राष्ट्रपति को किसी भी कानूनी मुद्दे पर, जो सार्वजनिक महत्व का हो या किसी भी तरह से जनता को प्रभावित करता हो, सुप्रीम कोर्ट से सलाह लेने का अधिकार है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा,

हमें अपने संविधान पर गर्व है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि देखिए हमारे पड़ोसी राज्यों में क्या हो रहा है। नेपाल, हमने देखा। उन्होंने हिमालयी राज्य में 48 घंटे पहले शुरू हुए भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का जिक्र किया, जिसमें अब तक 30 लोग मारे जा चुके हैं और केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

- **जस्टिस विक्रम नाथ ने दिलाई बांग्लादेश हिंसा की याद** - हां, बांग्लादेश में भी... जस्टिस विक्रम नाथ ने बीच में बोलते हुए पिछले साल उस देश में हुई चौंकाने वाली हिंसा की यादें ताजा कर दीं, जब छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के आधिकारिक आवास सहित प्रमुख सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया और तोड़फोड़ की। विरोध प्रदर्शनों में 100 से ज्यादा लोग मारे गए, जिसके कारण उन्हें इस्तीफा देकर भागना पड़ा, और देश का नियंत्रण नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले अभी भी सत्ता में मौजूद 'अंतरिम' प्रशासन को सौंप दिया गया। इस हफ्ते नेपाल और पिछले साल बांग्लादेश में हुई घटनाओं के बीच समानताएं नजरअंदाज करना मुश्किल है, जिसमें संविधान और कानून के शासन के पूरी तरह से ध्वस्त होने का बड़ा मुद्दा भी शामिल है।

स्कूल वैन ड्राइवर ने 8 साल की बच्ची को घसीटा, जमीन पर पटका

लोगों ने बचाया तो गाड़ी लेकर भाग गया

मंडीदीप (नप्र)। रायसेन के मंडीदीप में स्कूल वैन ड्राइवर ने 8 साल की बच्ची को टांग पकड़कर घसीटा और जमीन पर पटक दिया। बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और बच्ची को बचाया। विरोध करने पर ड्राइवर वैन लेकर भाग गया। लोगों ने बाइक से उसका पीछा कर पकड़ा और पुलिस के हवाले किया। घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे मंगलबाजार के पास की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, हम इंदिरा नगर कालोनी के पार्क में थे। तभी बच्ची की चीखें सुनाई दीं। हमने जाकर देखा तो ड्राइवर बच्ची के कपड़े और टांग पकड़कर उसे घसीट रहा था। हमने उसे रोका तो वह बदसलूकी करने लगा।

पुलिस पहुंची और भीड़ को काबू किया

घटना के बाद बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य संगठनों के लोग स्कूल के सामने इकट्ठा हो गए। सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया। मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने बताया कि बच्ची के माता-पिता के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। आरोपी ड्राइवर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी नशेड़ी है। इससे पहले भी स्कूल की तरफ से उसे वॉर्निंग मिल चुकी है।

- **ड्राइवर बोला- मैं तो ऐसा ही करूंगा** - प्रत्यक्षदर्शी रमेश शर्मा और थानसिंह मरण ने बताया, हम लोग इंदिरा नगर कॉलोनी के पार्क में खड़े थे। चीख सुनकर आए तो देखा कि ड्राइवर बच्ची को पकड़ कर खींच रहा था। उसने बच्ची के कपड़े और टांग पकड़े थे। फिर वैन से घसीटकर जमीन पर पटक दिया। फिर गालियां देने लगा। हमने ऐसा करने से रोका तो ड्राइवर बाबू जोसेफ विवाद करने लगा। कहने लगा- मैं तो ऐसा ही करूंगा। जब लोग इकट्ठा होने लगे तो ड्राइवर बिना गेट लगाए वैन को तेजी से भगा ले गया। वैन में बैठे बच्चे डर के मारे चिल्लाने लगे। कुछ लोगों ने बाइक से वैन का पीछा किया। ड्राइवर एचईजी ग्रेफाइट स्कूल की ओर गया। यहां लोगों ने उसे पकड़ लिया। स्कूल के सामने बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो चुके थे। इसके बाद पुलिस पहुंची।
- **पहले भी ऐसी घटनाएं कर चुका है** - एबीवीपी के धनंजय पटेरिया ने बताया कि आरोपी इससे पहले भी बच्चों के साथ ऐसी घटनाएं कर चुका है, लेकिन पेरेंट्स ने शिकायत नहीं की। आज भी आरोपी ने बालिका को वैन से टांग पकड़कर घसीटा, थप्पड़ मारे और गाली-गलौज की। वहीं, पुलिस ने माता-पिता और बच्ची के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

इंदौर के गोलू और साथियों की करोड़ों की संपत्ति अटैच

सट्टे के कारण घिरा कांग्रेस नेता अग्निहोत्री; विदेशी घड़ियों सहित 58.39 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त

इंदौर (नप्र)। ऑनलाइन सट्टा और डब्बा ट्रेडिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता विशाल अग्निहोत्री उर्फ गोलू और उनके 6 सहयोगियों पर बड़ी कार्रवाई की है। इनकी 34.26 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति अटैच कर ली। इनमें फ्लैट, प्लॉट, कृषि भूमि, नकदी और विदेशी घड़ियां शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बाजार में इन संपत्तियों का वास्तविक मूल्य कागजी कीमत से लगभग चार गुना ज्यादा है।

दरअसल, 14 जून 2024 को उज्जैन पुलिस ने क्रिकेट सट्टा खेलते 9 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई में 14.58 करोड़ रुपए नकद, 41 मोबाइल, 19 लैपटॉप, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सिम कार्ड बरामद किए गए थे। इस पूरी कार्रवाई में गोलू अग्निहोत्री का नाम भी जुड़ा था। 16 दिसंबर 2024 को इंदौर में कांग्रेस नेता गोलू के घर पर ईडी ने छापा मारा था। उस दिन गोलू दुबई से इंदौर लौटे थे। बताया गया था कि दिल्ली से ईडी की टीम उसी फ्लाइट में इंदौर आई थी, जिसमें गोलू अग्निहोत्री आए थे। इस छापे के 10 महीने बाद 9 सितंबर 2025 को ईडी ने संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की है।

करोड़ों की संपत्ति अटैच - ईडी ने बताया कि गोलू अग्निहोत्री के अलावा उनके कारोबारी साझेदार तरुण श्रीवास्तव, हितेश अग्रवाल, धर्मेश रजनीकांत त्रिवेदी, श्रीनिवासन रामसमय, करण सोलंकी और धवल जैन समेत इनके परिजनों के नाम दर्ज संपत्तियां भी अटैच की गई हैं। अब तक पूरे मामले में करीब 58.39 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त या अटैच हो चुकी है।

विशाल (गोलू) अग्निहोत्री, कांग्रेस नेता

कई संस्थाओं का कर रहे थे संचालन - ईडी की जांच में पता चला है कि ये लोग वी मनी/वीएम ट्रेडिंग (मेसर्स स्टैंडर्ड ट्रेड्स लिमिटेड), 11 स्टार्स, लोटसबुक 247, 8 स्टॉक हाइट्स, गोल्ड माइन, वर्टेक्स, गेमबेटलीग, आईबुल कैपिटल लिमिटेड, प्लेबुक, टारगेट एफ एक्स, वर्ल्ड 777 जैसी अन्य कई संस्थाओं और प्लेटफार्मों का संचालन कर रहे थे, जो अवैध डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन सट्टेबाजी में आते हैं।

रायबरेली में राहुल गांधी बोले-

चुनाव आयोग तानाशाह

रायबरेली/लखनऊ (एजेंसी)। रायबरेली में राहुल गांधी ने प्रजापति समाज के सम्मेलन में भाजपा और आरएसएस को निशाने पर लिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा- देश में 90 फीसदी आबादी ओबीसी, दलित और आदिवासियों की है। लेकिन ये भाजपा-आरएसएस के लोग नहीं चाहते कि ये कभी आगे बढ़ें। चुनाव आयोग तानाशाह की तरह काम कर रहा है।

ये चाहते हैं कि दलित वहीं पर रहे, अंबानी जहां हैं वहीं पर रहें। प्रधानमंत्री मोदी खुद ओबीसी हैं, लेकिन जाति जनगणना पर कुछ नहीं बोलते। मैंने संसद में इसपर सवाल किया तो वे डेढ़ घंटे तक भाषण देते रहे लेकिन जाति जनगणना पर एक भी शब्द नहीं बोले।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को मिला मरणोपरांत पीवी नरसिम्हा राव स्मृति अर्थशास्त्र पुरस्कार

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह को भारत के आर्थिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए पीवी नरसिम्हा राव मेमोरियल अवॉर्ड से मरणोपरांत सम्मानित किया गया है।

हेमामालिनी वृंदावन की भीषण बाढ़ देखने निकलीं

- **बच्चे को गोद में उठाया, पीड़ितों को खाना परोसा, राधावल्लभ मंदिर में पानी भरा**

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में गंगा, यमुना समेत नदियों का बढ़ता जलस्तर लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद मथुरा के वृंदावन में हालात बिगड़ गए हैं। 50 प्रतिशत इलाका बाढ़ प्रभावित है। राधा वल्लभ मंदिर में पानी भर गया। बस स्टैंड पर खड़ी बसें बाढ़ के पानी से आधी डूब गईं।

सांसद हेमामालिनी वृंदावन के बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच पहुंची और हालचाल जाना। पूछा- खाना और दूध मिल रहा है कि नहीं। इसके बाद बच्चे को गोद में उठाकर दुलारा। उसके बाद मां से नाम पूछा तो बताया कृष्णा। उसके बाद रेस्क्यू किए गए पशुओं को चारा खिलाया। आगरा में हाथी घाट तक यमुना की बाढ़ पहुंच गई है। श्मशान घाट डूब गए हैं। ऐसे में लोगों को सड़क किनारे अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। 25 कॉलोनियों में बाढ़ का पानी घुसने से करीब 4000 परिवार के लोग प्रभावित हो गए हैं। सोमवार को किला घाट पर सड़क पर जलभराव के बीच एक घोड़ा गाड़ी पलट गई। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई।

वहीं मध्य प्रदेश से 14 फीट लंबा मगरमच्छ बहकर सोनभद्र पहुंच गया। वन विभाग ने मगरमच्छ को रेस्क्यू

किया। कानपुर के 12 से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। इससे 4000 से अधिक परिवार प्रभावित हो गए हैं।

38 जिलों में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें से 5 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग के अनुसार, 24 घंटे में प्रदेश में 2.6 मिमी बारिश हुई।

महागठबंधन में 70 सीटों पर अड़ी कांग्रेस

- **प्रियंका गांधी सितंबर में बिहार का दौरा करेंगी**

पटना (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव से पहले बिहार की सियासत में सरगर्मी तेज हो गई। राजनीतिक दल पूरी तरह से एक्टिव हो चुके हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। राजनीतिक पार्टियां चुनावी मैदान में उतरने के लिए रणनीति

तैयार करने में जुटी हैं। दिल्ली में कांग्रेस की बैठक हुई। महागठबंधन में कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं बिहार में सियासी पकड़ मजबूत करने के लिए सितंबर महीने में प्रियंका गांधी भी बिहार दौरे पर आ सकती हैं।

70 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है कांग्रेस-बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले कांग्रेस ने सीट बंटवारे पर अपनी रणनीति साफ कर दी है। को पार्टी की दिल्ली में बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि बिहार में कांग्रेस 70 से कम सीटों पर नहीं मानेगी।

कैबिनेट ने बिहार में दो प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी

7616 करोड़ का निवेश होगा; भागलपुर से रामपुरहाट तक रेलवे लाइन भी बनेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग हुई। बैठक में 7616 करोड़ रुपए के निवेश वाली बिहार में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

इसमें बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के फोर लेन ग्रीनफील्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को मंजूरी दी गई।

यह प्रोजेक्ट हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत बनाई जाएगी, जिसकी कुल लंबाई 82.400 किलोमीटर और कुल 4447.38 करोड़ रुपए का निवेश होगा।

इसके अलावा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किमी) के दोहरीकरण को भी मंजूरी दी गई है, जिसकी कुल लागत लगभग 3,169 करोड़ रुपए है।

बर्खास्त संविदा कर्मचारियों पर पुलिस का लाठीचार्ज

पटना (एजेंसी)। पटना में बुधवार को बर्खास्त संविदा कर्मचारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर भाजपा कार्यालय का घेराव करने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पुलिस की कार्रवाई में कुछ कर्मचारियों को चोट भी आई है।

इलेक्शन कमीशन की राज्य अधिकारियों के साथ बैठक

- **देशभर में वोटर्स वेरिफिकेशन कराने पर चर्चा; बिहार में आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानने का निर्देश**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईओ) ज्ञानेश कुमार सहित इलेक्शन कमीशन के सीनियर अधिकारियों की बुधवार को राज्य चुनाव अधिकारियों के साथ मीटिंग जारी है। इसमें देशभर में वोटर्स लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन यानी वोटर्स वेरिफिकेशन, कराने की तैयारियों को लेकर चर्चा की जा रही है। आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद, पूरे देश में एसआईआर लागू किया जाएगा। इस साल के अंत में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह शुरू हो सकती है। इसका मुख्य मकसद जन्म स्थान की जांच करके अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना है।

अधिवक्ता परिषद स्थापना दिवस पर जनजाति समुदाय की समस्याओं को सुना

भोपाल। अधिवक्ता परिषद जिला इकाई भोपाल द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम केकड़िया, थाना रातीबड़ के पास जनजाति समुदाय के बीच पहुँचकर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने जनजातीय परिवारों से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही उनके समाधान के लिए उचित कानूनी मार्गदर्शन भी दिया।कार्यक्रम के दौरान एक ऐसे परिवार का मामला सामने आया जिसकी भूमि पर कुछ बाहुबलियों ने पुलिस-प्रशासन की मिलीभगत से कब्ज़ा कर लिया। इस कारण वह परिवार आज अत्यंत दयनीय और गरीबी की स्थिति में जीवनयापन करने को मजबूर है। सुरक्षा कारणों से परिवार का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया, क्योंकि नाम उजागर होने पर प्रशासन द्वारा उन्हें और परेशान किए जाने की आशंका है।

प्रदेश के 9300 हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में 12 सितंबर को उमंग दिवस

● बच्चों को जीवन कौशल शिक्षा देने के लिये चलाया जा रहा है कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। 'उमंग है तो जिंदगी में रंग है' इस थीम पर आधारित उमंग दिवस का आयोजन 12 सितम्बर को प्रदेश के 9 हजार 300 हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का लाभ 20 लाख से अधिक बच्चों को मिलेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित 10 जीवन कौशलों से परिचित करवाना है। कार्यक्रम की मदद से बच्चे जीवन में आने वाले चुनौतियों का सामना मजबूती से कर सकेंगे। कार्यक्रम का एक और उद्देश्य है कि बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए तैयार किया जाये।

यह कार्यक्रम स्कूल शिक्षा विभाग एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के सहयोग से तैयार किया गया है। जीवन कौशल शिक्षा आधारित करिकुलम और उसके संचालन में की गई पिछले 7 वर्षों की कड़ी मेहनत से बच्चों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को उत्साह के रूप में मनाना है। कार्यक्रम में बच्चे एक-दूसरे के अनुभवों को साझा करते हैं और अन्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित एवं मार्गदर्शित करते है। उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम एक फ्लैगशिप प्रोग्राम है जिसमें गतिविधि आधारित कक्षावार जीवन कौशल शिक्षा के मॉड्यूल हैं जिसे शिक्षा विभाग, स्वास्थ विभाग एवं यूनाईटेड नेशन्स पॉप्युलेशन फंड (यूएनएफपीए) की बराबर भागीदारी से मिलकर चलाया जा रहा है। प्रदेश की सभी शासकीय हाई एवं हॉयर सेकेंडरी स्कूलों में प्रत्येक मंगलवार को एक सत्र लिया जाता है। प्रत्येक शाला से 2 शिक्षकों को (एक पुरुष एवं एक महिला) हेल्थ एवं वेलनेस एंबेसेडर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। राज्य में अब तक लगभग 19 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। यह प्रशिक्षित शिक्षक हेल्थ एंड वैलनेस एम्बेसडर कक्षाओं में जीवन कौशल गतिविधियों का संचालन करते हैं।

उमंग दिवस के कार्यक्रम में विभिन्न विभाग के अधिकारी एवं मोटिवेशनल वक्ताओं को भी शिक्षण संस्था में आमंत्रित किया जाएगा, जिससे विद्यार्थी आगे बढ़ाने के लिए और उत्साह पूर्वक कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित हो सकें। इस कार्यक्रम में न केवल विद्यार्थियों को बल्कि शाला में उपस्थित प्रत्येक शिक्षक को भी इस विषय से अवगत होने का मौका मिलेगा।

दो दिनी भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान का आयोजन 14-15 सितंबर को होगा

सीएम राष्ट्रीय अलंकरणों से सम्मानित करेंगे

भोपाल। राष्ट्र के निर्माण में भाषाओं के योगदान पर केन्द्रित दो दिवसीय भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान का आयोजन 14-15 सितंबर 2025 को रवीन्द्र भवन, भोपाल में किया जा रहा है। भारतीय मातृभाषाएँ सभ्यता, संस्कृति और अस्मिता का सूत्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान का मार्गदर्शन करेंगे। इस अनुष्ठान में खड़ी बोली हिन्दी में अवधी, ब्रज, भोजपुरी, मैथिली, बुंदेली, मालवी, छत्तीसगढ़ी व बघेली तथा कन्नड़, मलयालम, तेलुगु, बांग्ला, तमिल और हिन्दी का अंतरसंबंध, भाषा और संचार प्रौद्योगिकी, हिन्दी साहित्य और प्रौद्योगिकी, नाटक और सिनेमा की भाषा, नृत्य और संगीत की भाषा, जनजातीय एवं धूमंतु भाषा-संचार, राष्ट्र की प्राणधारा लोकभाषाएँ जैसे विविध विषयों पर केन्द्रित वैचारिक समागम में देश-प्रदेश के भारतीय भाषाओं के विशेषज्ञ-विद्वान सम्मिलित होंगे। इसके साथ भारतीय भाषाओं एवं बोलियों में काव्य गोष्ठी, प्रकाशन लोकार्पण तथा प्रदर्शनियाँ शामिल है। यह जानकारी मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार एवं वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी एवं संस्कृति संचालनालय के संचालक एन. पी. नामदेव ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दी।

श्रीराम तिवारी ने कहा कि रवीन्द्र भवन, भोपाल में 14 और 15 सितंबर 2025 को दो दिवसीय भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारतवर्ष के विकास में भाषाओं के अवदान पर केन्द्रित विविध वैचारित गोष्ठियाँ, प्रकाशन लोकार्पण, प्रदर्शनियों के शुभारंभ के साथ स्वदेशी जागरण अंतर्गत देशहित में द शूटर का अभियान 'बीई इंडियन बीयू 4 इंडियन' 'हमारी लक्ष्मी, हमारे पास' का शुभारंभ होगा। इसके साथ ही विक्रमोत्सव 2025 को 'लांगस्टैंडिंग आईपी ऑफ द ईयर का अवार्ड' ईमैक्स ग्लोबल टीम द्वारा मुख्यमंत्री को समर्पित किया जायेगा।

संस्कृति संचालनालय के संचालक एन.पी. नामदेव ने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा पाँच राष्ट्रीय हिंदी भाषा सम्मानों की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 सितंबर को शाम 5:00 बजे देश-विदेश के विद्वानों को हिन्दी भाषा सम्मान से अलंकृत करेंगे। प्रशांत पोळ, जबलपुर और लोकेन्द्र सिंह राजपूत, भोपाल को 'राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान' सुश्री रीता कौशल, ऑस्ट्रेलिया एवं डॉ. वंदना मुकेश, इंग्लैण्ड को 'राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान', डॉ. इंदिरा गाजिएवा, रूस और श्रीमती पदमा जोसेफिन वीरसिंघे को राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान, डॉ. राधेश्याम नापित, शहडोल और डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे, भोपाल को 'राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान' तथा डॉ. के.सी. अजय कुमार, तिरुवनंतपुरम् एवं डॉ. विनोद बब्बर, दिल्ली को राष्ट्रीय हिन्दी सेवा सम्मान प्रदान किया जाएगा। ये सम्मान वर्ष 2024-25 के लिए प्रदान किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि आज वैश्वीकरण के युग में भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन का कार्य राष्ट्र निर्माण की नई चुनौती है। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता में भाषा का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान, भोपाल के निदेशक मुकेश मिश्रा ने कहा कि भारत जैसे विविधताओं वाले देश में भाषाएँ हमारी एकता को मजबूती प्रदान करती हैं। साहित्य अकादमी के निदेशक विकास दवे ने कहा कि दो दिवसीय आयोजन में साहित्य अकादमी के माध्यम से वरिष्ठ साहित्यकारों का दो दिवसीय विमर्शात्मक संगम भी होगा। इस युवा भाषा कुम्भ में भी रचनाकार अपनी भाषा बोलियों के सौष्ठव से परिचित होंगे। सबसे महत्त्वपूर्ण आकर्षण रहेगा, भारतीय भाषाओं और बोलियाँ से जुड़ा कवि सम्मेलन। इसमें संविधान में अनुसूचित भारतीय भाषाओं के साथ-साथ मध्य प्रदेश की अनुसूचित 6 बोलियों के कवि भी अपना रचना पाठ करेंगे।

यह आयोजन संस्कृति संचालनालय, वीर भारत न्यास, स्वराज संस्थान संचालनालय, माधवराव सप्रे समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान द्वारा भारत भवन, साहित्य अकादमी, मराठी साहित्य अकादमी, सिन्धी अकादमी, भोजपुरी अकादमी, उर्दू अकादमी, पंजाबी अकादमी, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, निराला सृजनपीठ, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि, एलएनसीटी विवि, जागरण लेकसिटी विवि, सेज विवि, सैम ग्लोबल विवि, मानसरोवर ग्लोबल विवि, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की सहभागिता में आयोजित किया जा रहा है।

टॉपर 7,832 विद्यार्थियों को सीएम देंगे स्कूटी का उपहार आज

● बालिकाओं को सेनिटेशन हाईजीन एवं वृतिका की राशि का भी सिंगल क्लिक से करेंगे अंतरण ● कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में होगा आयोजन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शासकीय हायर सेकेन्डरी स्कूलों की 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान अर्जित करने वाले 7832 विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूटी प्रदाय योजना के तहत राशि प्रदान करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन 11 सितम्बर गुरूवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में प्रात- 11 बजे से होगा। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप और पिछड़ा वर्ग एंव अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर भी उपस्थित रहेंगी।

टॉपर्स विद्यार्थी को मिलेंगी स्कूटी की राशि - प्रदेश मे निःशुल्क ई-स्कूटी/आईसीईएस योजना शैक्षणिक सत्र 2022-23 से संचालित की जा रही हैं। इस योजना के अंतर्गत ऐसे छात्र-छात्राऐं पात्र होते हैं जिन्होंने प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग अन्तर्गत संचालित शासकीय हायर सेकेण्डरी शाला में नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययन कर माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हायर सेकेण्ड्री कक्षा 12वीं में समस्त संकाय को शामिल कर अपनी शाला में नियमित परीक्षार्थी के रूप में टॉप किया हो। बालिका विद्यालय की दशा में स्कूल की टॉपर एक बालिका को, बालक विद्यालय होने की दशा में एक टॉपर बालक को एवं को-एड स्कूल जिसमें बालक बालिकाएं दोनों अध्ययनरत हों की दशा में स्कूल की एक टॉपर बालिका एवं एक टॉपर बालक अर्थात एक स्कूल से दो विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वर्ष 2024-25 के लिए 12वीं की परीक्षा में 7,832 स्कूल टॉपर्स विद्यार्थियों को स्कूटी राशि प्रदान की जायेगी।

बालिकाओं को मिलेगी व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्वच्छता की वृतिका राशि - कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समग्र शिक्षा की सेनिटेशन एवं हाईजीन योजना अंतर्गत वर्ष 2025 में कक्षा 7वीं से 12वीं की 20 लाख 37 हजार 439 बालिकाओं को लगभग 61 करोड़ रूपये डीबीटी द्वारा बालिकाओं के बैंक खाते में अंतरित करेंगे। इस योजना के तहत शासकीय विद्यालयों की कक्षा सातवीं से 12वीं तक अध्ययनरत बालिकाओं को स्वास्थ्य स्वच्छता के लिये300 रूपये की राशि प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है।

20 हजार से अधिक बालिकाओं के बैंक खातों में 7 करोड का स्टायपंड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम में 20 हजार 100 बालिकाओं के बैंक खातों में 7 करोड रूपयों की स्टायपंड राशि भी अंतरित करेंगे। उल्लेखनीय है कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाईप योजना अंतर्गत छात्रावासों में निवासरत बालिकाओं को टी.एल.एम एवं स्टायपंड के लिए प्रति बालिका 3400 रूपये प्रति वर्ष प्रदान की जाती है।

कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी होगा

स्कूल शिक्षा विभाग और जनसंपर्क विभाग के द्वारा उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर किया जायेगा। एनआईसी वेबकास्ट के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्मस् पर उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जायेगा।

10 साल पुरानी जर्जर सड़क का मनाया जन्मदिन

भोपाल में अनोखा प्रदर्शन, गड्ढे पर केक काटा, गाया 'हैप्पी बर्थडे', आतिशबाजी की

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग इलाके की जर्जर सड़क को लेकर बुधवार को लोगों ने अनोखे ढंग से प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 फीट चौड़े और 12 फीट लंबे गहरे गड्ढे पर केक काटा। साथ ही 'हैप्पी बर्थडे टू यू'...भी गाया। उनका कहना था कि 10 साल से सड़क जर्जर है, लेकिन इसकी कोई सुध नहीं रहा। बारिश में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। पैदल गुजरना तक मुश्किल है। लोगों के साथ कांग्रेसियों ने भी प्रदर्शन किया। इस इलाके और आसपास के क्षेत्र में ही करीब डेढ़ लाख आबादी रहती है। हजारों लोग सड़क से गुजरते हैं। ऐशबाग थाना और अंतरराष्ट्रीय ऐशबाग स्टेडियम भी यही पर है। पिछले दस साल से सड़क जर्जर है, लेकिन बारिश में हालत बिगड़ गई है। पूरी सड़क ही गड्ढों में गायब हो गई है। इसके चलते बुधवार प्रदर्शन किया गया।

केक काटा, आतिशबाजी की और ढोल भी बजाए - प्रदर्शन के दौरान लोगों ने केक काटा, आतिशबाजी और जमकर ढोल बजाए। ऐशबाग रहवासियों के साथ कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने कहा कि गड्ढों के दस वर्ष पूर्ण हो जाने पर उस पर केक काटा। ढोल-नगाड़े बजाकर विरोध दर्ज किया।

● भोपाल में सड़कों की हालत जर्जर - कांग्रेस नेता शुक्ला ने कहा कि भोपाल की सड़कों की हालत बहुत दयनीय हो रही है। ऐसा कोई गली-मोहल्ला या रोड नहीं हैं, जहां गड्ढे, जलभराव और ट्रैफिक जाम की स्थिति न हो। आम जनता सड़कों पर गिरते पड़ते हुए सरकार को कोसते हुए रेंग रही है। करोड़ों रुपए खर्च करने बाद भी शहर की हालत बद से बदतर होती जा रही है। जनता का पैसा भारी भ्रष्टाचार के चलते जिम्मेदारों की जेब में जा रहा है। प्रदर्शन में अनस उर रहमान, दीपक दीवान, मोहम्मद फहीम, तारिक अली, अमित खत्री, विजेंद्र शुक्ला, मुकेश पंथी, फहीम बख्श, अमजद लाला, दर्शन कोरी, सैफ अनस, शमशेर खान, अनीस शर्मा और मोहन रूड़ले आदि मौजूद थे।

खाली मटके लेकर कुलगुरु को ज्ञापन देने पहुंचे स्टूडेंट्स

आरजीपीवी कैंपस में पीने के पानी की समस्या, बोले- कई बार कर चुके हैं शिकायतें

भोपाल (नप्र)। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में पीने के पानी की समस्या है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के कार्यकर्ता बुधवार को इसके विरोध में कुलगुरु कार्यालय में खाली मटके लेकर पहुंचे। इस दौरान एक मटके में स्टूडेंट्स ने कुलगुरु प्रो. राजीव त्रिपाठी को खाली मटके में ज्ञापन रखकर दिया और समस्या के समाधान की मांग की है।एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा-लंबे समय से छात्रों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। छात्र कई दिनों से शिकायत कर रहे हैं। इसके बाद भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कुल कुलगुरु प्रो. राजीव त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपते वक्त प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार, प्रदेश महासचिव सैयद अल्तमस समेत अन्य एनएसयूआईकार्यकर्ता मौजूद रहे।

मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हो रहे स्टूडेंटजिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि आरजीपीवी जैसे बड़े तकनीकी विश्वविद्यालय में छात्रों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध न होना शर्मनाक है। यहां पढ़ने आने वाले छात्र-छात्राएं दूरदराज इलाकों से आते हैं, लेकिन उन्हें सबसे मूलभूत सुविधा तक नहीं मिल रही है।

प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा- मध्यप्रदेश की विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की बुनियादी समस्याओं की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। प्रदेश महासचिव सैयद अल्तमस ने कहा- लाखों रुपए की फीस लेने वाले इस विश्वविद्यालय में यदि छात्र पानी जैसी सुविधा से भी वंचित रहें तो यह शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

ऐशबाग इलाके से 7 साल की बच्ची का अपहरण

बच्ची को बहला-फुसलाकर ले गई बुआ, रिश्तेदारों पर केस दर्ज

भोपाल (नप्र)। ऐशबाग थाना क्षेत्र से 7 साल की बच्ची को उसके ही रिश्तेदारों ने अगवा कर लिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने रेशमा और फारूक नामक आरोपियों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया है। थाना प्रभारी विजय बहादुर सिंह सेंगर ने बताया कि यह घटना 2 जून की है। बच्ची की बुआ रेशमा, परिवार को यह कहकर ले गई थी कि वह उसे नाश्ता कराकर घुमाने ले जा रही है। इसके बाद वह लौटकर नहीं आई। परिजन जब लंबे समय तक बच्ची को नहीं ढूंढ पाए तो उन्होंने हाल ही में पुलिस में गुमशुदगी और अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पीड़ित परिवार कांच के बर्तन बेचने का काम करता है और घूम-घूमकर अलग-अलग जगहों पर रुकता है। आरोपी रेशमा भी इसी काम में जुड़ी हुई है। पुलिस को शक है कि आरोपी बच्ची को हैदराबाद या नागपुर जैसे शहरों में ले जा सकते हैं।

टीआई सेंगर के अनुसार, बच्ची की तलाश में दो टीमें गठित की गई हैं। एक टीम लोकल में काम कर रही है और दूसरी बाहर भेजी गई है। फिलहाल बच्ची की बुआ रेशमा से संपर्क नहीं हो पा रहा है, लेकिन उसके कुछ रिश्तेदारों से बात हुई है, जिनसे पता चला कि बच्ची उन्हीं के पास है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तलाश तेज कर दी गई है।

गणेश प्रतिमा खंडित करने का आरोपी दुकान पर था

परिजनों ने पुलिस को दिया सीसीटीवी, कांग्रेस ने कहा- सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास किया, कार्रवाई होना चाहिए

भोपाल (नप्र)। भोपाल में विसर्जन जुलूस के दौरान हुई पत्थरबाजी और प्रतिमा खंडित होने का मामला अब पेचीदा मोड़ पर पहुंच गया है। फरियादी ने जहां 3 लोगों पर सीधे पत्थर फेंकने और मूर्ति तोड़ने का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस जांच और सीसीटीवी फुटेज कुछ और कहानी कह रहे हैं। एफआईआर और पुलिस बयान में आए विरोधाभास ने मामले को और ज्यादा संवेदनशील बना दिया है। पुलिस के अनुसार- फरियादी चरण सिंह कुशवाह का आरोपी अब्दुल अमीन (हलीम) से पहले भी विवाद हो चुका है। 8 अगस्त 2025 में फरियादी ने हलीम के खिलाफ गौतम नगर थाने में केस दर्ज कराया था। उन्होंने टायर स्क्रैप के काम के दौरान सामान की अनलोडिंग को लेकर झगड़ा होने की बात कही थी। उस समय गाली-गलौज, धमकी और गाड़ी जलाने के आरोप लगाए गए थे।

गौतम नगर थाना प्रभारी ने बताया कि अब्दुल हलीम का नाम जरूर आया है, लेकिन जांच में सामने आया कि घटना के वक्त वह अपनी दुकान पर था। उसके सीसीटीवी फुटेज पुलिस के पास हैं।

मूर्ति खंडित करने का कोई प्रयास नहीं हुआ - इधर, विवाद पर कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज ने कहा कि पुलिस की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट हो गया है कि मूर्ति खंडित करने का कोई भी प्रयास नहीं किया गया है। 3 मुस्लिम युवाओं पर जो कार्रवाई की गई, वह एक निजी विवाद के चलते हुई थी। वे लोग वहां मौजूद नहीं थे। अब्बास हफीज ने कहा कि उनके सीसीटीवी, मोबाइल लोकेशन वहां की नहीं है। ऐसे में जिन लोगों ने भोपाल में सांप्रदायिक सदभाव बिगाड़ने का प्रयास किया है, उन पर क्या कोई कार्रवाई नहीं होना चाहिए। हम उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं कि बीजेपी की सरकार ऐसे लोगों पर कठोर कार्रवाई करेंगे। बुलडोजर की कार्रवाई भी करके दिखाइए।

टीकमगढ़ परीक्षण संभाग को एम.पी. ट्रांसको की सर्वोत्तम दक्षता ट्रॉफी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के टीकमगढ़ परीक्षण संभाग ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए टीकमगढ़ को राज्य स्तरीय सर्वोत्तम दक्षता ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

जबलपुर मुख्यालय में आयोजित समारोह में एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी ने यह ट्रॉफी टीकमगढ़ टीम को प्रदान की। टीकमगढ़ की ओर से कार्यपालन अभियंता श्री आर.पी. कान्यकुब्ज, सहायक अभियंता श्री जी.पी. राय और श्रीमती चंदा यादव ने यह सम्मान ग्रहण किया। प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद टीकमगढ़ की टीम की यह उपलब्धि सभी के लिए प्रेरणा है।

फार्मेसी पंजीयन प्रक्रिया होगी पूरी तरह ऑनलाइन

पूरी पारदर्शिता से करें प्रकरणों का निराकरण : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि अब ऑनलाइन प्रणाली से घर बैठे पंजीयन प्रमाणपत्र मेल और डिजिलॉकर के माध्यम से उपलब्ध होंगे। इससे पंजीयन प्रक्रिया सुव्यवस्थित हुई है और लंबित मामलों का निपटारा तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थियों के आवेदन अपूर्ण हैं, जिन्हें समय पर पूरा करवाना आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल होटल पलाश भोपाल में मध्यप्रदेश स्टेट फार्मेसी परिषद की बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्राइवेट विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि वे सभी विद्यार्थियों की सही जानकारी उपलब्ध कराएँ। यदि गलती छात्रों की है तो उन्हें सुधार के लिये सूचित किया जाए और यदि संस्थान की लापरवाही है तो मान्यता एवं एफिलिएशन पर कार्रवाई करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि फार्मासिस्ट, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। विकसित और स्वस्थ भारत के लिए गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

बैठक में जून 2025 से अगस्त 2025 तक की कार्यप्रगति की समीक्षा की गई। इसमें 3500 से अधिक नए पंजीयन सफलतापूर्वक पूर्ण हुए, 5800 आवेदन प्रक्रिया में लंबित रहे तथा 1650 आवेदन निजी विश्वविद्यालयों की सूची उपलब्ध न होने के कारण शेष रहे। बताया गया कि संपूर्ण कार्यप्रणाली को अब डिजिटल मोड पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इसमें समग्र आईडी, डिजिलॉकर, विवाह एवं निवास प्रमाणपत्र तथा एफडीए का एकीकरण किया गया है। नई प्रणाली से स्लॉट बुकिंग एवं परिषद कार्यालय में उपस्थित होकर सत्यापन कराने की आवश्यकता समाप्त होगी और सिस्टम आधारित ऑटो वेरिफिकेशन से प्रमाणपत्र सीधे डिजिलॉकर पर उपलब्ध होंगे। यह पहल परिषद को डिजिटल गवर्नेंस में देश की अग्रणी परिषद बनाएगी। बैठक में परिषद अध्यक्ष श्री संजय कुमार जैन, सदस्य श्री राजू चतुर्वेदी, श्री गौतमचंद धींग, श्री रामरतन गर्ग, श्री सत्येन्द्र सिंह चौहान, श्री देवेंद्र कुमार बजाजत्य, श्री अशोक जैन एवं डॉ. पवन दुबे सहित श्री दिनेश मौर्य (ड्रग कंट्रोलर, म.प्र.), श्री आत्री मुख्य विश्लेषक और चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि शामिल हुए। परिषद की रजिस्ट्रार श्रीमती भव्या त्रिपाठी ने प्रगति और आगामी योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

संपादकीय

उपराष्ट्रपति चुनाव: 'इंडिया' में सेंध

देश के 15 वें उपराष्ट्रपति के रूप में सी.पी. राधाकृष्णन का चुना जाता नंबर गेम के लिहाज से तय ही था। दिलचस्पी केवल इस बात में थी कि जीत का अंतर कितना रहता है और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन विपक्षी इंडिया गठबंधन में कितनी सेंध लगा पाता है। जो नतीजे सामने आए हैं, उनके मुताबिक राधाकृष्णन को 452 वोट मिले हैं, जबकि एनडीए के पास 427 सांसदों के वोट थे। विपक्षी उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट प्राप्त हुए। वहीं, जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई वाली ङ्घस्त्रष्टक्के 11 सांसद भी एनडीए उम्मीदवार को समर्थन दे रहे थे। अब उनको मिले अतिरिक्त 14 मतों को लेकर कई चर्चाएं कि ये मत किस पार्टी के सांसदों के हैं। इतना तय है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग हुई है। हालांकि चुनाव के पहले एनडीए के नेता दावे कर रहे थे कि गठबंधन की निश्चित संख्या के अलावा विपक्षी खेमे से ही भी उन्हे वोट मिलेंगे। और वैसा ही हुआ भी। दूसरी तरफ विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को मिले 15 वोट अवैध पाए गए। लोकसभा में भाजपा के मुख्यै सचेतक संजय जायसवाल ने दावा किया विपक्षी खेमे के लगभग 40 सांसदों ने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर राजग के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार राधाकृष्णन का समर्थन किया। नतीजो से स्पष्ट है कि जहां एनडीए गठबंधन एकजुट रहा, वहीं इंडिया गठबंधन में दरार पड़ी है। हालांकि, बीजू जनता दल (बीजद), भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने चुनाव से दूरी बनाए रखी खास बात यह भी रही कि इस चुनाव में क्षेत्रीय भाषा और अस्मिता का मुद्दा बिल्कुल भी नहीं चला। वैसे यह मुकाबला दक्षिण बनाम दक्षिण और तमिल बनाम तेलुगू था। राजनीतिक दृष्टि से यह कोशिश की गई थी कि तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके में फूट पड़े, क्योंकि राधाकृष्णन तमिलनाडु के ओबीसी वर्ग से आते हैं। लेकिन डीएमके ने उन्हें खांटी आरएसएस कार्यकर्ता बताकर वोट नहीं दिया। उसी तरह विपक्ष के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी तेलुगू हैं, लेकिन एनडीए में शामिल तेलुगू देशम पार्टी के सांसदों ने उन्हें मत नहीं दिया। क्रॉस वोट करने वाले सांसदों पर कोई कार्रवाई नहीं होगी, क्योंकि उपराष्ट्रपति के चुनाव में कोई व्हिप जारी नहीं होता। बहरहाल, सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुने जाने पर सभी ने बधाई दी है। राधाकृष्णन शुरू से आरएसएस से जुड़े हैं। तमिलनाडु में वो बड़ा हिंदुत्ववादी चेहरा रहे हैं। दो बार सांसद चुने गए। इसके पहले केन्द्र में मंत्री रहे और वर्तमान में वो महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। उन्हें 'तमिलनाडु का मोदी' भी कहा जाता है। राधाकृष्णन का जन्म 20 अक्टूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुपुर में हुआ। उनके पास बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातक की डिग्री है। राजनीति के साथ-साथ वह खेलों में भी सक्रिय रहे—कॉलेज स्तर पर टेबल टेनिस चैंपियन और लंबी दूरी के धावक रहे। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। जहां तक अनुभव की बात है तो राधाकृष्णन के पास पर्याप्त संसदीय और प्रशासनिक अनुभव है। माना जा रहा है कि वो सत्तापक्ष और विपक्ष के साथ मधुर सम्बन्ध रखते हुए उच्च सदन का कुशलता से संचालन करेंगे। राधाकृष्णन व्यवहार से हंसमुख हैं और हिंदी भी जानते हैं। इसका उन्हें अतिरिक्त लाभ मिलेगा। यह अपेक्षा गलत नहीं है कि जिस तरह पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ को अचानक जाना पड़ा, वैसी परिस्थिति राधाकृष्णन नहीं आने देंगे। क्योंकि उपराष्ट्रपति को राज्य सभा का चेयरमैन होने के साथ-साथ सरकार से भी समन्वय बनाकर चलना होता है। धनखड़ इसी मामले में सरकार का विश्वास खो बैठे। लेकिन राधाकृष्णन के काम काज पर उनकी निजी महत्वाकांक्षाएं उन पर हावी नहीं होंगी, यह मानने में कुछ गलत नहीं है।

नजरिया

कुलभूषण उपमन्यु

लेखक 'हिमालय नीति अभियान' के अध्यक्ष हैं।

हिमाचल में आपदाओं के भागीदार

हिमाचल प्रदेश में ढांचागत विकास और बड़ी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वनभूमियों का भूमि उपयोग बदला गया है, वन-संपदा घटी है और तोड़-फोड़ बढ़ी है। इसके चलते हिमालय की नाजुक धरती भारी बारिश का दबाव न झेल सकने के कारण भूस्खलन का शिकार हो रही है और अभूतपूर्व तबाही का कारण बन रही है। चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा वायु-प्रदूषणकर्ता देश बन गया है जिसके 'ग्रीन-हाउस' प्रभाव के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान-वृद्धि पर्यटन और अन्य कारणों से बढ़ती परिवहन की भीड़ के कारण पैदा हुए प्रदूषण से हो रही है। पहाड़ों की संकरी घाटियों में प्रदूषित वायु अटक जाती है और शायद यह भी तापमान बढ़ने का कारक हो सकता है।

विकास सूचकांक में आगे हिमाचल प्रदेश गत वर्षों में लगातार प्राकृतिक आपदाओं से घिरता जा रहा है। बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। जहां 2018 में बादल फटने की 21 घटनाएं हुईं, वहीं 2019 में 16, '20 में 3, '21 में 30, '22 में 39, '23 में 65 और 2024 में 57 घटनाएं हुईं। अभी बरसात के आरंभिक चरण में ही 14 से ज्यादा जगह बादल फटा है और 69 लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन चुके हैं। अभी असली बरसात तो शेष है। आगे क्या होगा, यह सोचकर ही दिल दहल जाता है।

क्या कारण है कि प्रकृति हिमाचल प्रदेश पर इतनी नाराज है, जबकि उत्तराखंड का हाल भी अच्छा नहीं है। इसका अर्थ हुआ कि हिमालय में सब जगह ही प्रकृति क्रुद्ध हो चुकी है। बादल फटने की घटना का अर्थ है - एक छोटे 20-30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बादलों का सघन होकर एक घंटे में 10 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो जाना। मंडी में दुर्घटना वाले दिन 21 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई है। इससे भीषण बाढ़ और भूस्खलन की स्थितियां बन गईं। जाहिर है, ये घटनाएं वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण हो रही हैं। चिंता की बात यह है कि हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि हुई है। इसी कारण लगातार हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं साल-दर-साल बढती जा रही हैं।

हिमाचल प्रदेश में ढांचागत विकास और बड़ी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वनभूमियों का भूमि उपयोग बदला गया है, वन-संपदा घटी है और तोड़-फोड़ बढ़ी है। इसके चलते हिमालय की नाजुक धरती भारी बारिश का दबाव न झेल सकने के कारण भूस्खलन का शिकार हो रही है और अभूतपूर्व तबाही का कारण बन रही है। चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा वायु-प्रदूषणकर्ता देश बन गया है जिसके 'ग्रीन-हाउस' प्रभाव के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है। हिमालय में औसत से ज्यादा तापमान-वृद्धि पर्यटन और अन्य कारणों से बढ़ती परिवहन की भीड़ के कारण पैदा हुए प्रदूषण से हो रही है। पहाड़ों की संकरी घाटियों में प्रदूषित वायु अटक जाती है और शायद यह भी तापमान बढ़ने का कारक हो सकता है।

हिमाचल प्रदेश के बांधों में बहकर आने वाला मलबा अपने साथ जैविक पदार्थ भी लाता है, जो झीलों के तल में बैठ जाते हैं। ये जैविक पदार्थ जब बिना आक्सीजन के सड़ते हैं तो मीथेन गैस पैदा होती है। मीथेन कार्बन डाई-आक्साइड की तुलना में 28 से 64 गुना ज्यादा 'ग्रीन हॉउस' प्रभाव पैदा करती है। यह भी औसत से ज्यादा तापमान वृद्धि का कारण हो सकता है। इस मुद्दे को गहन वैज्ञानिक शोध की जरूरत है।

अमेरिकी लेखक पीटर ब्रेविट ने अपनी पुस्तक 'सेम रिवर ट्विस' में बांध की झीलों से जैविक पदार्थों के आक्सीजन-रहित अपघटन से मीथेन गैस पैदा होने की पुष्टि की है। इसके चलते ही अमेरिका में वर्जीनिया की रेपानहौक नदी पर अम्ब्रे बांध को हटाया गया था और नतीजे में मीथेन उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई थी। 'नासा' के मैथ्यू जॉनसन की 2021 की शोध के अनुसार विश्व में 3 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बांधों की झीलों के नीचे है जिसमें 10.1 टेराग्राम (10 अरब 10 लाख किलो) मीथेन हर वर्ष पैदा होती है। हालांकि पुराने अनुमान के अनुसार यह मात्रा 70 टेराग्राम मानी गई है।

फोरलेन सडकों के कारण होने वाली तोड़फोड़ और बढ़ती सड़क कनेक्टिविटी के कारण होने वाले निर्माण कार्यों में पर्वतों की विशिष्ट तकनीक का अभाव है। खासकर ठेकेदारी प्रथा के चलते डंपिंग कार्य में भारी कोताही बरती जा रही है। बांध प्रबन्धन में भी लापरवाही देखने में आई है। कहीं बाढ़ के समय बांध के गेट ही नहीं खुलते हैं और कहीं बाढ़-नियंत्रण के लिए बांध में समय रहते, बाढ़ के पानी को रोकने योग्य जगह ही (समय पर पानी छोड़कर) खाली नहीं की जाती। इससे बाढ़ का पानी रोका नहीं जा सकता और तत्काल अचानक छोड़ना पड़ता है, जिससे सामान्य से ज्यादा बाढ़ आ जाती है।

इन सब लापरवाहियों के चलते हिमाचल प्रदेश का जीवन खतरे में घिरता जा रहा है, जिसका प्रभाव पर्यटन पर भी बुरा पड़ेगा। पर्यटन विकास के लिए ठंडा मौसम, सुंदर पर्वतीय वृक्ष, वनस्पतियों से भरी ढलानें और पर्याप्त बर्फ जरूरी तत्व हैं। बाकी आवास अदि सुविधाएँ तो बाद में आती हैं। पर्यटन का बुनियादी आकर्षण ही समाप्त हो जाएगा तो पंचतारा सुविधाएँ भी पर्यटन को बचा नहीं पाएंगी। कुछ तथ्यपूर्ण मान्यताएं हैं जिनको मानकर ही पर्वत पर विशिष्ट विकास योजनाएं बनाई जा सकती हैं जो प्रकृति मित्र और टिकाऊ विकास लाने वाली हों।

हिमालय पूरे देश के लिए सदानीरा नदियां देने वाला और जलवायु निर्धारित करने वाला क्षेत्र है। वह नाजुक, अगम्य और हाशिए पर है। इसके वनों और हिमनदों की रक्षा करना देशहित का कार्य है। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन जैसे पर्यावरण मित्र विकास को टिकाऊ बनाने के लिए सारे विकास मॉडल को पर्यावरण मित्र बनाना पड़ेगा। तोड़फोड़ वाले विकास के विकल्प तलाशने होंगे। वाहन प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करना होगा। इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन वाहन और 'रज्जू मार्गों' (रोप-वे) को मुख्यधारा परिवहन व्यवस्था का भाग बनाना होगा।

बड़ी जलविद्युत परियोजनाएं उपयुक्त नहीं हैं, उनके विकल्प ढूँढने होंगे। झीलों से मीथेन पैदा होती है। हिमालय में 'स्माल इस ब्यूटीफुल' के सिद्धांत पर विकास करना होगा। हिमालय की राष्ट्रीय स्तर पर दी जाने वाली पर्यावरणीय सेवाओं को मान्यता देते हुए ये सेवाएं सतत देते रहने की शक्ति को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर योजना निर्माण और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी लेनी होगी। इस दिशा में सोचकर योजना निर्माण होगा, तभी हिमाचल प्रदेश और हिमालयी राज्यों में पर्यावरण मित्र विकास का युग आरंभ हो सकेगा, हिमालय में रहने वाले लोगों का जीवन भी सुरक्षित हो सकेगा और देश के लिए जीवनदायी हवा, पानी और मिटटी के निर्माण और संरक्षण की हिमालयी व्यवस्थाएं बची रहेंगी। (सप्रेस)

शिकागों भाषण विशेष पर

अमित राव पवार

लेखक साहित्यकार हैं।

स्वामी विवेकानंद:भारत के संत का दिग्विजय

वर्तमान भारत को संपूर्ण विश्व एक महाशक्ति के रूप में देख रहा है। यह राष्ट्र प्राचीन समय से ही परम वैभव पर था और निश्चित आगे भी रहेगा। बीच के कुछ कालखंड में देश को तोड़ने वाली नकारात्मक ताकते इसे कमजोर करने का साहस जरुर करती रही लेकिन असंख्य लोगों का तप,बलिदान से आज भारतराष्ट्र ऊंचाई को छू रहा,अनेक संघर्ष हुए,यातनाएं सही किंतु इस पुण्यभूमि पर जिसने जन्म लिया कभी उसने अपनी मातृभूमि पर आंच नहीं आने दी इस भूमि के ऋण को फिर चाहे अपने प्राण देकर ही क्यों न अदा किया हो। सदैव इस भूमि की गाथा गौरव के इतिहास से लिखी गई है। कुछ वर्षों का मुगलकाल व ब्रिटिश शासन ने जरूर यहां की संस्कृति,परंपरा,धर्म पर आघात किया फिर भी यहां का वैभवशाली इतिहास कम नही हुआ। युगों-युगों से चली आ रही भारतीय परंपरा आज भी जीवित है,जबकि विश्व के अनेक देश कुछ आघात से ही लुप्त हो चुके।

दुनिया के इतिहास में कुछ महत्वपूर्ण तारीख ऐसी होती है जो हमे गर्व का अनुभव करवाती सदैव के लिए वे स्मृति में रह जाती है। ऐसा ही एक दिन और तारीख 11 सितंबर 1893 है जो हम भारतीयों के लिए गौरवांवित तथा अनंत समय तक यह गर्व करवाती रहेगी। किंतु जहां एक ओर इस दिन को मानवता के कल्याण के लिए देखा जाता है। वहीं दूसरी ओर 2001 में मानवता को तार-तार करने वाली जिहादी मानसिकता की घटना भी हुई सयोंगवंश दोनों घटना एक ही देश 'अमेरिका' में घटित हुई। जहां भारत के युवा संन्यासी ने संपूर्ण विश्व के समक्ष मानव जाति के कल्याण की बात कही,वही आज से 25 वर्षो पूर्व अलकायदा से जुड़े 19 आतंकवादियों ने चार अमेरिका यात्री विमान का अपहरण उसे आत्मघाती हमलों में उपयोग किया। जिसमें करीब

तीन हजार बेकसूर आम लोग मारे गए थे। दो विमान अमेरिका के न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर से टकराया और दोनों टावर ढ़ह गए,तीसरा विमान पेटांगन से और चौथा विमान पेंसिल्वेनिया में एक मैदान पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दिन को अमेरिका में राष्ट्रीय सेवा और स्मरण दिवस मनाया जाता है। जबकि इसी तारीख को अखंड भारत के युवा सन्यासी ने अमेरिका के शिकागों शहर में आज से 132 वर्ष पूर्व पूरे विश्व के विद्वानों के समक्ष दो शब्दों में ही सभी को अपना बना लिया।

जब भारत के युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद ने भारतभूमि व भारत के दर्शन को विश्व के सम्मुख प्रस्तुत किया उपस्थित समस्त महानुभावों का मस्तिष्क एवं आंखें खुली रह गई। वसुधैव कुटुम्बकम् की परिभाषा का उल्लेख करते हुए उन्होंने संपूर्ण मानव जाति के कल्याण का आह्वान किया, उन्होंने न केवल अपने हिंदू धर्म के बारे में कहा,बल्कि जगत के समस्त धर्म के विषय में भी कहा,जो उन्होंने कहा वे केवल शब्दावली नहीं थी उन्होंने सत्य का साक्षात्कार किया,जिसे उन्होंने अपने भाषण में व्यक्त किया था। यही कारण था कि उनके शब्दों ने श्रोताओं पर अभूतपूर्व प्रभाव डाला। उनके भाषण का प्रभाव विद्युत की तरह रातों-रात चारों ओर प्रसिद्ध हो गया। सभा हॉल में बैठा विश्व का प्रत्येक व्यक्ति इतिहास का साक्षी बन गया।दुनिया के सभी धर्मों को एक साथ एकत्र कर चर्चा करवाने का संभवतः यह सर्वप्रथम प्रयास था। विश्व के समस्त धार्मिक संघो के प्रतिनिधिगण इसमे भाग लेने के लिए आने वाले थे। इस धर्म महासभा के लिए शिकागों के एक नव निर्मित भव्य भवन को चुना गया था।जिसका नाम 'आर्ट इंस्टीट्यूट' था।सभा का मुख्य हाल जिसकी क्षमता चार हजार लोगों के बैठने की थी उस दिन खचाखच भरा हुआ था।

स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद सभा में विचार व्यक्त करते हुए आगे कहा कि मैं उसे देश से आया हूं जिसने विश्व के समस्त दिन-दु:खी,बेसहारा,पीड़ितों को आश्रय दिया। 11 सितंबर एक स्वर्णिम दिन जब अमेरिका की धरती पर भारत के युवा संन्यासी ने प्रिय भाइयों,बहनों इन दो शब्दों के माध्यम से विश्व को अपना बना लिया इस देश की संस्कृति में वो ताकत जिसने पूरे दुनिया को जोड़ दिया। उस समय भारत का चिंतन था जो विश्व को जोड़ रहा था जिसमें मानवता की महक थी। भारत के संत का दिग्विजय,अपनी संस्कृति-संस्कार के परिचय से पूरे विश्व को अवगत करवाया। केवल 30 वर्ष उम्र में हिन्दू संन्यासी के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऐतिहासिक भाषण दिया। इनके भाषण की अगली सुबह को प्रकाशित न्यूयॉर्क हेराल्ड ने लिखा 'विवेकानंद निसंदेह धर्म ससद में सबसे बड़े व्यक्ति हैं।' उन्होंने हिंदुत्व का भाव विश्व स्तर पर स्थापित कर अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर छाप छोड़ी,भारत की संस्कृति को गौरवांवित किया।

विश्व में भारत को सही मायने में जो लोग नहीं जानते थे वह अब भारत के दर्शन के लिए लालायित थे यह प्रभाव स्वामी विवेकानंद के द्वारा विश्व के समक्ष अपनी मातृभूमि के प्रेम व अपने गुरु के बताए गए मार्ग को दर्शाता है। जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानव कल्याण, समाज,मातृभूमि के लिए समर्पित किया आज जब भारत विश्व के केंद्र में दिख रहा विश्व में बड़ी या छोटी घटनाओं पर दुनिया की आंखें भारत पर आकर रुक जाती है। इस प्रभाव में स्वामी विवेकानंद जी का महत्वपूर्ण योगदान को हम भुला नहीं सकते उस स्थिति में जब अखंड भारत का युवा सन्यासी अपने धर्म को विश्व के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए अनेक कठिनाइयों से गुजरते हुए कई दिनों तक भूखे रहकर अपने राष्ट्र (पूर्व) से विदेशी धरती अमेरिका (पश्चिम) का सफर तय करते हुए विश्व धर्म सभा का हिस्सा बने।

पढ़ाई से आगे जीना सिखाना होगा

बाल शिक्षा

संदीप कुलश्रेष्ठ

5 सितम्बर को देशभर में शिक्षक दिवस का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर यह याद करना आवश्यक है कि समाज में जितने भी विद्वान, वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता, साहित्यकार या नेता बने हैं, उनका निर्माण एक शिक्षक की मेहनत और मार्गदर्शन से ही संभव हुआ है। वास्तव में शिक्षक ही वह शिल्पकार है, जिसने हर पेशे और हर सफलता को गढ़ा है। शिक्षक का महत्व इतना गहन और व्यापक है कि उसे शब्दों या उदाहरणों में पूरी तरह बाँध पाना संभव नहीं।

आज के दौर में समाज, शिक्षा और जीवन शैली के सामने कई नई चुनौतियाँ खड़ी हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैट जीपीटी जैसे तकनीकी साधन जहाँ अवसर लेकर आए हैं, वहीं बच्चों के सामने नई उलझनें भी खड़ी कर रहे हैं। जैसे पहले के जमाने में समाज की चुनौतियों के अनुरूप शिक्षक और पालक बच्चों को तराशते थे, वैसे ही अब इस नए दौर की चुनौतियों से निपटने के लिए स्वयं शिक्षकों और पालकों को तैयार रहना होगा। तभी वे बच्चों को सही दिशा दे पाएँगे।

मोबाईल की लत –आजकल के बच्चे जो स्कूलों में और महाविद्यालयों में पढ़ते हैं, उन्हें मोबाईल की लत लग गई है। मोबाईल के अनेक लाभ है, किन्तु कई नुकसान भी है। पालकों और शिक्षकों को बच्चों को यह बताना होगा कि मोबाईलके क्या लाभ हैं और क्या हानि ? यह काम डांट फटकार से नहीं, बल्कि प्यार से समझाना होगा। और इसके लिए ही पालकों और शिक्षकों को अपने आप को तैयार करना होगा।

क्यों नहीं सुनते बच्चे अपने माता-पिता की बात – अधिकतर पालकों की यह शिकायत रहती है कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, वे उनकी नहीं सुनते। इसके लिए पालकों और शिक्षकों को भी अपने आप को तैयार करना होगा कि किस प्रकार मनोवैज्ञानिक तरीके से बच्चों से इस प्रकार बात करें कि बच्चे उन्हें अपना मित्र समझे जो दिल की बात कह और सुन सके।

बच्चों को प्रतिशत के डर से बाहर निकालना होगा – पहले के जमाने में बच्चों से पास होने तक की अपेक्षा की जाती थी। फेल भी हो जाए तो माता-पिता ज्यादा चिंता नहीं करते थे और आगे पढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। किन्तु अब समय बदला है। इसके लिए बच्चों के पहले पालकों और शिक्षकों को बच्चों के मन से प्रतिशत के डर से बाहर निकालना होगा। बच्चों को प्रतिशत के चक्कर से बचाने के लिए जो कुछ किया जा सकता है, किया जाना चाहिए। अधिक प्रतिशत लाने के चक्कर में बच्चे आत्मविश्वास खो देते है और निराशा के गर्त में पड़ जाते हैं। इसके लिए बच्चे दोषी नहीं हैं, बल्कि माता-पिता और शिक्षक ही दोषी हैं। जो बच्चों को अधिक से अधिक प्रतिशत लाने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। इससे सबसे पहले पालकों और शिक्षकों को बचना होगा और बच्चों को अधिक प्रतिशत लाने केकुचक्र से बचाना होगा।

प्रतिस्पर्धा और तुलना से बचना होगा – पहले की तुलना में आज के समय में बच्चों के मन मेंप्रतिस्पर्धा की भावना ठूंस दी जाती है। यह बिल्कुल गलत है। शिक्षकों औरपालकों को इससे बचना चाहिए। इसके साथ ही एक बच्चे की दूसरे बच्चे सेतुलना करने से भी बचना होगा। इससे बच्चे आत्महीनता से ग्रसित हो जाते हैऔर हीनग्रन्थि से बंध जाते हैं। इसके लिए पालकों और शिक्षकों को बच्चों को प्रतिस्पर्धा और दूसरे बच्चों से तुलना करने से बचना होगा। प्रतिस्पर्धा और तुलना के कारण ही कई बच्चे आत्महत्या कर लेते हैं। यह आज के समय की बहुत बड़ी चुनौती है। जब बच्चे ही नहीं रहेंगे, तो कैसी प्रतिस्पर्धा और कैसी तुलना ?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ अतुल चतुर्वेदी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जो हैं बने रहिए जो नहीं हैं उसका प्रयास न करिए

हर आदमी कुछ होना चाहता है, लकीर खींचना चाहता है। कुछ बनना चाहता है, दुनिया को दिखाना चाहता है लेकिन चाहने और होने में बहुत फासला है। सिर्फ़ चाहने से क्या होता है उसके लिए वे खट कर्म भी करने होते हैं जो आप होना चाहते हैं। मसलन आप लेखक बनना चाहते हैं लेकिन पढ़ने का शौक आपको बग़ल से छू कर नहीं गया है, गंभीर गोष्ठियों में बैठते ही आपकी नानी मरती है। अंदर से खोखले हैं न दर्शन का पता, न इतिहास का और न अपने आस पास का क्योंकि आपके पास वो संवेदना की आँख नहीं है जो मर्म को पकड़ ले और आप पर तो स्वार्थ की आँख है तो भइये साहित्य में टाइम मत ख़राब कर आगे जा, आगे। तथाकथित समाज सेवा या राजनीति का मार्ग टटोल।

अब जाना तो राजनीति में है लेकिन बोलते ऐसे हैं जैसे कटखने कुत्ते हों, किसी का काम करते नहीं। एक फूटी कौड़ी खर्च नहीं होती, पुलिस देखकर सौ मीटर तक सरपट भागते हैं तो आप राजनीति के काम का मैटेरियल नहीं है। आप से कभी ऊँची आवाज में बोला नहीं गया, पत्नी से लेकर मोहल्ले तक में आपकी घिग्घी बंध जाती है तो आप राजनीतिज्ञ बनने का सपना मत पालिये उस्ताद। यहाँ निपट नकटों और बाहुबलियों की दरकार है जो पल पल में दहाड़ सकते हों, ग़लत बात पर भी अड़ सकते हो राजनीति उनके लिए सुरम्य स्थल है। भला शाकाहारी जीवों का यहाँ क्या काम ? यदि आपके दांतों में लोभ और बेशर्मी का खून नहीं लगा है और आपके पंजे शिकार पर कहीं भी, कभी भी झपट्टा नहीं मार सकते तो राजनीति में अपनी योग्यता आजमाने का ख्याल त्याग दीजिए। लेकिन आदमी की फ़ितरत होती है जो उसके इनबिल्ट नहीं होता है वो उधर कोशिश करता है। बदसूरत और मोटे लोग हीरो बनना चाहते हैं, डेढ़ पसली के सींकिया पहलवान पुलिस और सेना में जाना चाहते हैं। मानवीय स्वभाव है जो नहीं है वो दिखना।

वे जो नहीं हैं वो बनने की जुगत में हैं। औसत दर्जे के व्यक्ति को ज्ञानी बनने की बीमारी होती है। संतों को भगवान बनने का चस्का लग जाता है। हमारे दद्दू को विश्व नेता बनने की धुन है। इस चक्कर में कभी भी किसी के फटे में टांग दे लेते हैं। चुनाव प्रचार हो या आत्म प्रचार टी आर पी बटोरने का कोई अवसर नहीं गँवाते। जिनका गला बेसुरा है वो पार्श्व गायकी में हाथ आजमाना चाहते हैं। पाप करते करते मन अघा गया और अवैध कमाई से घर भर गया ऐसे अपराधी राजनीति में ट्राई मारना चाहते हैं और कई बार भी जाते हैं एम एल ए या एम पी। कहते हैं असफल प्रेमी सफल पति सिद्ध होता है और फ्लॉप हीरो अच्छा निर्माता निर्देशक।क्रिकेट में बहुत सफल नहीं रहे खिलाड़ी आज बेहतरीन कमेंटेटर बन बैठ गए है जैसे मोहल्ले के कुछ लुक्के वार्ड पार्षद बन चुके है और नेतागीरी की पाठशाला में दाखिला ले चुके हैं।

श्यामवर्णा लड़कियां गौर वर्णा होने के चक्कर में सभी गोरेपन का दावा करने वाली क्रीमें लगा डालती है। लंबाई बढ़ाने के दावे के झाँसे में न जाने कितने सप्लीमेंट महंगे दामो पर बिक रहे हैं लेकिन क़द है कि फिर भी नहीं बढ़ रहा। क़द कभी भी नाहक उचकने से या दूसरे का क़द कतरने से अपना बढ़ा नहीं होता।

उसके लिए ऐसे निस्वार्थ कर्म करने होते हैं जो दूसरे आपको अपने सिर पर बैठायें और आपका क़द स्वयमेव बढ़ जाएगा। लोग आपको काँधे पर ही नहीं सिर आंखों पर बैठायेंगे। लेकिन लोग हैं कि दूसरों को बौना कर के खुद लंबे दिखना चाहते हैं। कमज़ोरों की पीठ पर प्रहार कर, उनका शोषण कर ताक़तवर दिखना चाहते हैं। असली में हम जो कुछ नहीं वो दिखने की इच्छा पुरातनकालीन मानवीय वृत्ति है लेकिन इसकी कोशिशें ईमानदार होनी चाहिए। बेईमान नहीं। आप विश्व गुरु बनना चाहते हैं बनिए लेकिन मौलिकता की राह से पिछलग्गू बनकर नहीं। आप नोबेल शांति प्राप्त करना चाहते हैं करिए लेकिन उसके लिए दूसरों की बैसाखी और देशों के झगड़े में पंचायत कर के नहीं। जो हैं नहीं वो दिखना क्यों ? इस चक्कर में आप कितने हास्यास्पद और फूहड़ हो गए हैं आपको अहसास ही नहीं ज्आपका पिछवाड़ा बाहर आ गया है, माथे टेक टेक कर देवालयों पर थूथन बाहर आ गई है और देवता हैं कि अभी भी नहीं पसीजे हैं और प्रसाद आज तक नहीं मिला।

जो हैं बने रहिए जो नहीं हैं उसका प्रयास न करिए। मौलिकता को बचाइये, सादगी को अपनाइए। ढोंग से बचिए, दिखावे से फ़ासला रखिए क्योंकि आप नहीं जानते इस चक्कर में देश की कितनी किरकिरी होती है और परिजन या पार्टीजन कितना भुगतते हैं आप नहीं जानते। आप बायोलॉजिक तो हैं नहीं। आपको क्या पता जनता पर क्या बीतती है ? और आप यकायक यथार्थ से दैवीय हो जाते हैं।

आर्थिक सुधार

अजीत लाड़

(वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक)

आर्थिक नीति से सामाजिक न्याय तक की राह

यूपीए के दौर में जहाँ आटा, चावल और चाय जैसी आवश्यक वस्तुएँ भी कर के दायरे में थीं, वहीं आज मोदी सरकार ने उन्हें छूट देकर साफ कर दिया कि उसकी प्राथमिकता आम नागरिक का बोझ कम करना है। स्वास्थ्य क्षेत्र में उठाया गया कदम भी इसी दृष्टिकोण को दर्शाता है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा को कर मुक्त करना और जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य करना यह दिखाता है कि सरकार केवल अर्थव्यवस्था के आंकड़ों से नहीं बल्कि लोगों के दु:ख-दर्द से भी जुड़ी हुई है। पूर्ववर्ती सरकारें स्वास्थ्य को निजी हाथों में छोड़ कर कर्तव्य पूरा समझ लेती थीं, वहीं मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को नागरिक अधिकार की तरह देखा है।

भारत की राजनीति और अर्थनीति में कर सुधार हमेशा से एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण मुद्दा रहा है। लंबे समय तक जटिल कर ढांचे ने नागरिकों और कारोबारियों को उलझाए रखा। वेट, उत्पाद शुल्क और अनेक स्थानीय कर न केवल भ्रम पैदा करते थे, बल्कि व्यापार की गति को भी बाधित करते थे। इस पृष्ठभूमि में 2017 में जीएसटी लागू हुआ, जिसने कर प्रणाली को एक राष्ट्र-एक कर-एक बाजार की दिशा दी। किंतु, उसकी संरचना जटिल थी और बहु-स्लैब दरों ने कई बार विवाद और असुविधा उत्पन्न की। इसीलिए जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक ने नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधारों की घोषणा की, तो यह केवल तकनीकी निर्णय नहीं बल्कि एक वैचारिक बदलाव भी था।

इन सुधारों की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे सीधे नागरिकों के जीवन को केंद्र में रखकर बनाए गए हैं। आवश्यक वस्तुओं को कर मुक्त करना या न्यूनतम दर पर लाना केवल कर नीति नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में कदम है। दूध, दही, चावल, आटा और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर छूट गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत देती है। यह वही वर्ग है जो महंगाई की सबसे अधिक मार झेलता है और जिस पर पूर्ववर्ती सरकारों ने अक्सर अप्रत्यक्ष करों का बोझ डाला।

यूपीए के दौर में जहाँ आटा, चावल और चाय जैसी आवश्यक वस्तुएँ भी कर के दायरे में थीं, वहीं आज मोदी सरकार ने उन्हें छूट देकर साफ कर दिया कि उसकी प्राथमिकता आम नागरिक का बोझ कम करना है। स्वास्थ्य क्षेत्र में उठाया गया कदम भी इसी दृष्टिकोण को दर्शाता है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा को कर मुक्त करना और जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य करना यह दिखाता है कि सरकार केवल अर्थव्यवस्था के आंकड़ों से नहीं बल्कि लोगों के दु:ख-दर्द से भी जुड़ी हुई है।

पूर्ववर्ती सरकारें स्वास्थ्य को निजी हाथों में छोड़ कर कर्तव्य पूरा समझ लेती थीं, वहीं मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को नागरिक अधिकार की तरह देखा है।

कृषि सुधारों में भी यही सोच परिलक्षित होती है। किसान केवल वोट बैंकनहीं बल्कि राष्ट्र की रीढ़ हैं, यह दृष्टि भाजपा सरकार ने बार-बार अपनेनिर्णयों में साबित की है। ट्रैक्टर, सिंचाई उपकरण, खाद और कीटनाशकों परकर दर कम करना केवल लागत घटाने का उपाय नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता का सूत्र है। पिछली सरकारें कृषि क्षेत्र को सब्सिडी तक सीमित रखती थीं, जबकि मोदी सरकार कर ढांचे में ही संरचनात्मक सुधार कर किसानों को स्थायी लाभ पहुंचा रही है। अवसंरचना और उद्योग जगत को भी यह सुधार नए अवसर देता है। सीमेंट पर कर दर घटाना घर बनाने वाले आम नागरिक से लेकर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तक सबके लिए राहत है। छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को सरल अनुपालन और तेज़ रिफंड प्रक्रिया उपलब्ध कराना वास्तव में उन्हें अर्थव्यवस्था का सशक्त स्तंभ मानने की नीति है। यहाँ तुलना आवश्यक है पिछली सरकारें इस क्षेत्र को नियामकीय बोझ में दबाए रखती थीं, जबकि मोदी सरकार तकनीक जैसे एआई आधारित निगरानी का उपयोग कर पारदर्शिता और सुगमता दोनों ला रही है। कपड़ा और उर्वरक उद्योग, जो लंबे समय से उल्टे कर ढांचे की मार झेल रहे थे, अब जीएसटी युक्तिकरण से राहत पाएंगे। यह न केवल उद्योग के लिए प्रोत्साहन है बल्कि लाखों कामगारों के लिए भी स्थिरता और रोजगार का आधार है। यहाँ एक और बड़ा फर्क स्पष्ट होता है। पिछली सरकारें सुधारों को अक्सर राजनीतिक गणित और वोट-बैंक से जोड़कर देखती थीं। नतीजा यह हुआ कि निर्णय या तो टलते रहे या आधे-अधूरे लागू हुए। मोदी सरकार ने दिखाया कि सुधार केवल नारे नहीं होते, वे ठोस नीतिगत हस्तक्षेप होते हैं। यह नेतृत्व की स्पष्टता और दूरदृष्टि है कि दुनिया मंदी की आहट से जूझ रही है और भारत में कर सुधारों को अवसर की तरह लिया जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन सुधारों से राष्ट्र निर्माण का वह दृष्टिकोण झलकता है जिसमें अर्थव्यवस्था केवल जीडीपी वृद्धि तक सीमित नहीं बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर, उद्योगों की प्रतिस्पर्धा और किसानों की समृद्धि से जुड़ी हुई है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए ये निर्णय दिखाते हैं कि सरकार की प्राथमिकता ÷सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास÷ को व्यवहार में उतारना है।इसलिए कहा जा सकता है कि नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार पूर्ववर्ती सरकारों से अलग एक नई शैली का परिचायक हैं। यह शैली केवल वादों और घोषणाओं की नहीं, बल्कि परिणामों की है।

यहाँ नीति और नियत दोनों ही स्पष्ट हैं। सरकार मानती है कि कर ढांचा नागरिकों के जीवन को आसान बनाने का साधन होना चाहिए, न कि बोझ। यही सोच भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में ले जाएगी।

आचार्य विनोबा भावे की 130वीं जयंती पर विशेष

विवेक कुमार साव

लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा में शोधार्थी है।

सर्वोदय का कौल है - जय जगत

आचार्य विनोबा के अनुसार, ÷कर्नाटक में संयुक्त कर्नाटक के प्रथम वर्ष दिन पर हमने नये मंत्र का उद्घोष किया - जय जगत। (1 नवंबर, 1957)÷ (अहिंसा की तलाश,पृ.सं-154) 'जय-जगत' का अर्थ है संपूर्ण विश्व की विजय,जिसमें पूरी दुनिया के लिए शांति, प्रेम और सौहार्द का भाव समाहित है। यह ऐसा भाव है जिसमें न कोई डर है, जो न कोई दमन की जंजीरों में जकड़ा है, और न ही कोई शत्रुता है, बल्कि यह पूरे विश्व को एकता के सूत्र में बांधताहै। यह निडरता का प्रतीक है, जो न हिंसा की आग से प्रज्वलित होता है, न अहंकार की झूठी ऊंचाइयों से उत्पन्न होता है, बल्कि प्रेम व करुणा की गहराइयों से प्रकट होता है। यह 'जय जगत', हृदय जोड़ने वाले बाबा (विनोबा)के विचारों का मूल मंत्र है; जो व्यक्तिगत, भाषागत, जातिगत या राष्ट्रीयस्वार्थ से ऊपर उठकर संपूर्ण विश्व के कल्याण की बात करता है। उनके अनुसार, सच्ची प्रगति तभी संभव है, जब हम अपने संकीर्ण दृष्टिकोण सेमुक्त होकर समस्त मानवता के हित में कार्य करें। उनके विचारों में त्यागमहत्वपूर्ण स्थान रखता है, लेकिन वे यह मानते हैं कि केवल व्यक्तिगतत्याग पर्याप्त नहीं है। वह कहते भी हैं कि व्यक्ति का त्याग पर्याप्तनहीं, ऐसा जब मालूम पड़ेगा, तभी 'जय जगत' होगा। इसलिए हमें सभी की फिक्र होनी चाहिए। अगर हम अपनी ही चिंता करें, तो 'जय जगत' नहीं होगा। (विनोबा, जय जगत, पृ.सं.46) अत: जब तक यह भावना व्यापक स्तर पर नहीं फैलती, जब तक लोग यह नहीं समझते कि सभी का कल्याण एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, तब तक 'जय जगत' का सपना साकार नहीं हो सकता। विनोबा जी व्यक्तिगत स्वार्थ, जातीय स्वार्थ, और यहाँ तक कि राष्ट्रीय स्वार्थ को भी एक सीमा के रूप में देखते हैं। उनके अनुसार, राष्ट्रीय नेता भी सामान्य व्यक्ति की ही तरह राग, द्वेष जैसे मानवीय दोषों से मुक्त नहीं होते, फर्क सिर्फ इतना है कि उनके दोषों का प्रभाव व्यापक पैमाने पर होता है। अत: विनोबा जी मानव स्वभाव की कमियों को बेहतर समझते थे और इन कमियों को दूर करने के लिए वैश्विक चेतना की आवश्यकता पर बल देते थे। उनका भूदान आंदोलन भी इसी विचार का प्रतीक है। वह इसे केवल राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में नहीं, बल्कि जागतिक (वैश्विक) आंदोलन के रूप में देखते थे। इस विषय में खुद विनोबा जी कहते हैं - मैं अपने भूदान काम को राष्ट्रीय आंदोलन मानता ही नहीं, जागतिक आंदोलन मानता हूँ। (विनोबा, जय जगत, पृ.सं.46) बाबा के भूदान आंदोलन में जमीन का दान

लेकर उसे जरूरतमंदों में बाँटना ही नहीं था, यानि इसके पीछे की भावना केवल भूमि वितरण तक सीमित नहीं थी। यह प्रतीक था त्याग और समानता का, जो विश्व स्तर पर लागू हो सके। यानि, समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब हम अपने को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में रखकर सोचें और कार्य करें। इसी भूदान आंदोलन के समय आचार्य विनोबा ने जम्मू-कश्मीर यात्रा के दौरान, अपने प्रवचन में बताया था कि नफरत का रास्ता हार कश्मीर, हार हिन्द और हार जगत की ओर ले जाता है। वे नफरत को ऐसी विनाशकारी शक्ति के रूप में देखते हैं, जो न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामुदायिक व वैश्विक स्तर पर भी विनाश का कारण बनती है। वे कहते हैं - आप एक-दूसरे से प्यार करने के बजाय नफरत करते रहेंगे, तो 'जय जगत' कैसे होगा? तब न 'जय जगत' होगा न 'जय हिन्द' और न 'जय कश्मीर'। (आचार्य विनोबा, मोहब्बत का पैगाम, पृ.सं.96) जैसा कि हम सभी महसूस कर रहे हैं कि आज का विश्व अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनमें धार्मिक कट्टरता की आग, जातिगत, भाषागत व सामुदायिक संघर्ष की दीवारें, राष्ट्रीय सीमाओं की बाधाएँ और उससे गहराती खाइयाँ आदि प्रमुख हैं। इन चुनौतियों का समाधान करना और विश्व को सुरक्षित, शांतिमय व सौहार्दपूर्ण बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे में विनोबा जी का 'जय जगत' कौल, प्रकाश-स्तंभ की तरह हमारा मार्गदर्शन करता है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारी पहचान केवल स्थानीय या समुदाय विशेष तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमें वैश्विक नागरिक के रूप में सोचना और व्यवहार करना चाहिए। यदि हम इस दृष्टिकोण को अपनाते हैं, तो ही इन समस्याओं का समाधान संभव है और हम शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण दुनिया की ओर बढ़ सकते हैं। बाबा के इसी विचार ने कवि हूँ दराज दुखायल को भी ऐसा प्रभावित किया कि उन्होंने 'जय जगत पुकारे जा' जैसी प्रसिद्ध कविता लिख डाली। यह कविता क्या है, एक पुकार ही है, जो कहती है, जहाँ व्यक्तिगत सुख को त्यागकर सबके हित की सोच को प्राथमिकता मिले, वहीं जय जगत का विचार होता है। इस कविता के प्रारंभिक पंक्ति में ही कवि दुखायल विश्व की जयकार और शांति के लिए आत्म-बलिदान की अपील करते हैं। अहिंसा और शांति के लिए सर्वस्व न्योछावर की बात करते हैं। एक नज़ीर देखिए -जय जगत पुकारे जा, सिर अमन पे वारे जा, सबके हित के वास्ते, अपना सुख बिसारे जा/ प्रेम की पुकार हो, सबका सबसे प्यार हो, जीत हो जहान की, क्यो किसी की हार हो/ न्याय का विधान हो, सबका हक समान हो, सबकी अपनी हो जमीन, सबका आसमान हो।÷ शायद ! यह कविता विनोबा जी के दिल के करीब थी, तभी तो 11 सितंबर, 1982 को, अपने जन्मदिन के मौके पर उन्होंने इसे पढ़ा। (इसके बाद 15 नवम्बर, 1982 को उनका देहावसान ही हो जाता है।) वे कहते हैं - आज बाबा की देह का जन्मदिन है। जयंती बाबा की नही, बाबा के देह की है। मणि पूछ रही है, आपका जन्मदिन कब है? बाबा का जन्म ही नही होता है। आज सभा में क्या बोला बाबा ? - जय जगत, जय जगत, जय जगत पुकारे जा, सिर अमन पे वारे जा, सबके हित के वास्ते, अपना सुख बिसारे जा।

वन-रक्षकों के बलिदान के सम्मान का दिन

राष्ट्रीय वन शहीद दिवस

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. के संस्थापक हैं।

भारत के इतिहास पथ में 11 सितम्बर, 1730 का दिन एक कारुणिक घटना के कारण ऐसा स्मरणीय मील का पत्थर बन गया है जिसकी नींव में विसर्जित वृक्ष रक्षकों के पावन रक्त की नमी एवं ताप है, जहां मानव के प्रति वृक्षों के कृतज्ञ अश्रुओं की आत्मीयता है, जहां प्रस्तर खंड पर वृक्ष रक्षा का उद्देश्य उत्कीर्ण है, जिसके चतुर्दिक वृक्षों की रक्षा हित आत्म बलिदानके अप्रतिम ऊर्जामय दृश्य की रचना हुई है जो मानव एवं कानन के अनिर्वचनीयसम्बंध का उद्घोष करती हुई लोक जागरण की प्रेरणा बनी हुई है। उल्लेखनीयहै कि तत्कालीन मारवाड़ राज्य के महाराजा अभय सिंह ने महलों के निर्माणहेतु चूना पत्थर के जलाने के लिए लकड़ी की आवश्यकता की पूर्ति हेतु मंत्रियों के सुझाव पर जोधपुर के खेजड़ली गांव के खेजड़ी वृक्षों केकाटने का आदेश दिया। 11 सितम्बर को जब सैनिक वृक्ष काटने के लिए गांव पहुंचे तो विश्नोई समाज की महिला अमृता देवी ने खेजड़ी वृक्ष को पूजनीय बता कर अन्य वृक्ष काटने का अनुरोध किया पर सत्ता मद में चूर सैनिकों नेपेड़ों पर कुल्हाड़ियां चलानी आरम्भ कर दीं। वृक्ष रक्षा का अन्य उपाय न देख वह और उनकी तीन बेटियां वृक्षों के तनों को हाथों से समेटकर चिपकगईं। निर्दय सैनिकों ने कुल्हाड़ी चलाना जारी रखा और तीनों का बलिदान हो गया। यह खबर गांव में फैली तो पूरा गांव वृक्षों से लिपट गया। उस दिनवृक्षों की रक्षा करते हुए 363 व्यक्तियों ने अपने प्राण समर्पित कर दिए,पर अपनी अंतिम सांस तक पेड़ों को कुल्हाड़ी का वार न लगने दिया। जबमहाराजा अभय सिंह तक यह समाचार पहुंचा, वे बहुत दुखी हुए और लकड़ी कटान रोक दिया। तो 11 सितम्बर को वन संरक्षण के लिए काम करने वाले, वन और वन्य जीवों को बचाते हुए अपनी जान गंवाने वाले व्यक्तियों के बलिदान को स्मरण करने तथा वन और मानव के पारस्परिक सम्बन्धों के महत्व से आम जन को परिचित कराने की दृष्टि से भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तनमंत्रालय ने 11 सितम्बर, 2013 को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस मनाने की घोषणाकी। आयोजन एक थीम पर आयोजित किया जाते हैं, वर्ष 2025 कि थीम है- वन औरभोजन। यह विषय न केवल सामयिक है अपितु वन सम्पदा के रक्षण-संरक्षण के लिए समुदाय को प्रेरित करने वाला भी है। आयोजन अंतर्गत लेख, वाद-विवाद, भाषण, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी, फोटो गैलरी प्रदर्शन जैसे आयोजन स्कूल, कालेज औरविश्वविद्यालयों में सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर किये जाते हैं। वनशहीद दिवस आयोजन के माध्यम से पूरी दुनिया को संदेश जाता है कि सरकारेंऐसी वन नीति का निर्माण करें जो जलवायु परिवर्तन एवं खाद्य प्रणाली के केंद्र में हों और जहां वनों एवं वन्य जीवों को कोई हानि न पहुंचे और वनसंरक्षण हेतु एक सामूहिक सोच पनपे।

निश्चित रूप से भारतीय संस्कृति में वनों का विशेष महत्व है। आर्षग्रन्थों में वन-कानन के माहात्म्य का न केवल महिमामय गौरव वर्णित हैअपितु वन, वन्यजीव एवं मानव के सहजीवन सह अस्तित्व के प्रेरक जीवंत शब्द चित्र भी अंकित हैं। अनेकानेक महान ग्रंथों की रचना ऋषि परम्परा मेंवनांचल स्थित आश्रम की पर्ण कुटियों में शुक, सारिका, सारंग, कोकिला,मयूर के मनमोहक कलरव, मृग-मृगेंद्र के सान्निध्य, पीयूषदुग्धा गो माता केस्नेहिल सामीप्य और वट-पीपल-पाकड़ की शीतल छांव में ही हुई है। जंगल केवल पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों और सर-सरिताओं का नाम नहीं है, बल्कि जीवनस्रोत का नाम है। वन हमारी संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा रहे हैं जिसे अरण्य संस्कृति कहते हैं। जंगलों में रचे गये आरण्यक ग्रंथ वैदिक परम्परा में यज्ञ-अग्निहोत्र एवं आध्यात्मिक उत्कर्ष के मानबिंदु हैं। सनातन सांस्कृतिक सामाजिक परम्परा में मानव जीवन के लिए निश्चित चार आश्रमों ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं संन्यास में वनों का महत्व दृष्टव्यहै जो संन्यास आश्रम में प्रवेश की पीठिका है, साधना स्थली है। इतना हीनहीं, जंगल ही मानव समाज के भोजन-पोषण के स्रोत हैं। फल, फूल, मूल, कंद,बीज, शहद जंगल से ही मिलता है। वन मृदा के संरक्षक हैं और जल प्रदायक भी। कानन प्राणवायु आक्सीजन के निर्माता हैं। वनों के बिना मानव जीवन कीकल्पना करना असम्भव है। इसलिए वनों की सुरक्षा एवं संरक्षण आवश्यक है।विकास के नाम पर भेंट चढ़ रहे हजारों लाखों वृक्षों की भरपाई असम्भव है।एक वृक्ष का कटना केवल एक पेड़ का धराशायी होना नहीं है अपितु उस पर घोंसला बना कर निवास कर रहे सैकड़ों पक्षियों का संहार है, तप्त पथ परतृषित पथिक के सिर की सुखद छांव का छिन जाना है, वसुधा के लिए अम्बर में सघन घन के छाने के आमंत्रण पत्र का नष्ट हो जाना है। तमाम खट्टी-मीठी स्मृतियों का लुप्त हो जाना है। वन शहीद दिवस के अवसर बलिदानी वन रक्षकों का स्मरण एवं सम्मान करते हुए हम अपने मोहल्ले, नगर, गांव में सैकड़ोंसालों से हमारी जरूरतों को पूरा करने वाले वृक्षों की रक्षा का संकल्प लें, तब यह दिवस सार्थक सिद्ध होगा।

आचार्य विनोबा भावे की 130वीं जयंती पर विशेष

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

भूदान से जय जगत तक: विनोबा भावे की प्रासंगिक विरासत

विनोबा भावे का जीवन गांधीवादी मूल्यों का जीता-जागता उदाहरण था। वे साधारण जीवन जीते थे, लेकिन उनके विचार असाधारण थे। भूदान आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जब उन्होंने पूरे देश में घूम-घूमकर संपन्न लोगों से जमीन दान में मांगी ताकि भूमिहीन किसानों को जीवन का आधार मिल सके। 1951 में तेलंगाना के पच्चमपल्ली गाँव से शुरू हुआ यह आंदोलन भारत में सामाजिक समता और शांति का अभूतपूर्व प्रयोग था। जब भूमिहीन किसानों ने उनसे जमीन की मांग की, तो उन्होंने किसी सरकार या अदालत का सहारा नहीं लिया, बल्कि सीधे जमींदारों से अपील की। उसी गाँव में जमींदार ने स्वेच्छा से 100 एकड़ भूमि दान में दी और यही भूदान आंदोलन की शुरुआत बनी।

11 सितंबर का दिन हमें एक ऐसे महापुरुष की याद दिलाता है जिसने अपना पूरा जीवन सत्य, अहिंसा और सेवा को समर्पित कर दिया। आचार्य विनोबा भावे की 130 वीं जयंती का यह अवसर है। उन्हें महात्मा गांधी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने गांधी की परंपरा को केवल आगे नहीं बढ़ाया बल्कि उसे नए आयाम दिए। उनके जीवन और विचारों का सबसे सशक्त प्रतीक है– जय जगत। यह मात्र एक अभिवादन नहीं था, बल्कि पूरी मानवता को जोड़ने वाली सोच थी। जय जगत के मंत्र में निहित था कि हम बिना किसी भेदभाव के, बिना आक्रामकता के, निर्मल भाव से पूरी दुनिया की भलाई चाहें। यह सोच हमें याद दिलाती है कि वास्तविक भाईचारा वहीं पनप सकता है जहां समता और न्याय हो, शोषण और दमन न हो।

विनोबा भावे का जीवन गांधीवादी मूल्यों का जीता-जागता उदाहरण था। वे साधारण जीवन जीते थे, लेकिन उनके विचार असाधारण थे। भूदान आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जब उन्होंने पूरे देश में घूम-घूमकर संपन्न लोगों से जमीन दान में मांगी ताकि भूमिहीन किसानों को जीवन का आधार मिल सके। 1951 में तेलंगाना के पच्चमपल्ली गाँव से शुरू हुआ यह आंदोलन भारत में सामाजिक समता और शांति का अभूतपूर्व प्रयोग था। जब भूमिहीन किसानों ने उनसे जमीन की मांग की, तो उन्होंने किसी सरकार या अदालत का सहारा नहीं लिया, बल्कि सीधे जमींदारों से अपील की। उसी गाँव में जमींदार ने स्वेच्छा से 100 एकड़ भूमि दान में दी और यही भूदान आंदोलन की शुरुआत बनी।

इसके बाद विनोबा भावे पैदल पूरे देश में निकले। उनका यह पदयात्रा कई वर्षों तक चलती रही। उन्होंने लगभग 13 वर्षों में 58 हजार किलोमीटर की दूरी तय की और गाँव-गाँव जाकर जमीन दान में मांगी। इस अभियान के परिणामस्वरूप लगभग 47 लाख एकड़ भूमि दान में मिली, जो उस समय एक सामाजिक क्रांति से कम नहीं थी। यह आंदोलन केवल भूमि वितरण का प्रयास नहीं था, बल्कि समाज में अहिंसा, विश्वास और सहयोग की शक्ति का प्रमाण भी था। विनोबा ने बताया कि यदि समाज सहयोग की भावना से काम करे तो बिना संघर्ष और हिंसा के भी न्यायपूर्ण बदलाव संभव हैं। उनका सपना था कि समाज अपने भीतर से ही न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बने, सरकार या सत्ता के दबाव से नहीं।जय जगत का विचार भी इसी सोच का विस्तार है। यह हमें बताता है कि कोई भी व्यक्ति केवल अपने देश, जाति या धर्म तक सीमित नागरिक नहीं है, बल्कि वह पूरे विश्व का नागरिक है। इस विचार में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं है–न रंग का, न नस्ल का, न लिंग का, न धर्म का, न राष्ट्रीयता का। इसमें जीवन के सभी रूपों की रक्षा और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा का गहरा भाव निहित है। यह हमें केवल मानव बंधुत्व तक सीमित नहीं करता, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के साथ भी न्याय करने की प्रेरणा देता है।

आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, युद्ध और हिंसा, असमानता, गरीबी और शोषण जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, तब जय जगत का संदेश और भी ज्यादा प्रासंगिक हो जाता है। परमाणु हथियारों से लेकर वैश्विक तापमान वृद्धि तक, हर चुनौती हमें यह बताती है कि मानवता के अस्तित्व की रक्षा केवल आपसी सहयोग और भाईचारे से ही संभव है। विनोबा भावे का यह संदेश कि समता, न्याय और अहिंसा के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाया जा सकता है, आज एक गहरी सच्चाई की तरह हमारे सामने खड़ा है। विश्व नागरिकता और विश्व बंधुत्व की पहचान को अभी भी बहुत कम महत्व दिया जाता है, जबकि यही सोच हमें संकीर्णताओं से बाहर निकाल सकती है। यदि हम अपने आपको केवल किसी देश या समूह तक सीमित रखेंगे, तो भेदभाव और संघर्ष कभी समाप्त नहीं होंगे। विनोबा भावे की सोच हमें यह अवसर देती है कि हम पूरे विश्व को एक परिवार मानें और उसकी भलाई को अपना उद्देश्य बनाएँ। जब हम इस दृष्टि से सोचेंगे, तब गरीबी, हिंसा और पर्यावरण संकट जैसी समस्याओं का समाधान भी सामूहिक रूप से खोजा जा सकेगा।

विनोबा भावे का यह विचार गांधीवादी आंदोलनों की धारा से गहराई से जुड़ा है। सर्वोदय आंदोलन ने समाज में आत्मनिर्भरता, ग्राम स्वराज और सहयोग की राह दिखाई। यह सोच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति और न्याय के कई आंदोलनों से जुड़ सकती है। इसकी अनुकूल भूमिका तैयार करने के लिए विश्व बंधुत्व व नागरिकता पर कई स्तरों पर विमर्श जरूरी है। सर्वोदय आंदोलन की 'जय जगत' की सोच इसके बहुत अनुकूल है। विश्व में अमन-शांति के कई आंदोलन व अभियान हैं। ये सब संयुक्त रूप से इस दिशा में प्रवृत्त होंगे ऐसे में जय जगत केवल एक दर्शन नहीं रहेगा, बल्कि धरती को बचाने और उसे बेहतर बनाने की ठोस कार्ययोजना भी बन सकता है।विनोबा भावे की जयंती हमें याद दिलाती है कि सत्ता की राजनीति से ऊपर उठकर सेवा ही जीवन का सच्चा उद्देश्य है। उन्होंने कभी सत्ता का मोह नहीं किया, बल्कि जनशक्ति और नैतिक शक्ति पर विश्वास किया। यही कारण है कि उनका व्यक्तित्व किसी राजनीतिक पद से नहीं, बल्कि जनविश्वास और उनके विचारों की गहराई से पहचाना जाता है। आज के दौर में जब समाज अनेक विभाजनों से जूझ रहा है, विनोबा का यह संदेश और भी जरूरी हो जाता है कि असली ताकत भाईचारे, न्याय और समता में है। उनकी जयंती पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम संकीर्णताओं से ऊपर उठकर विश्व बंधुत्व और न्यायपूर्ण समाज की ओर कदम बढ़ाएँ। केवल मनुष्यों तक सीमित रहकर नहीं, बल्कि समूचे जीवन और भावी पीढ़ियों की रक्षा के लिए भी जिम्मेदार बनें। जय जगत का आह्वान आज भी हमें पुकार रहा है–एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए, जिसमें कोई शोषण न हो, कोई भेदभाव न हो, और हर व्यक्ति व हर जीवन स्वरूप सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सके। विनोबा की जय जगत की यह अवधारणा न केवल समता और न्याय से जुड़ी है, बल्कि साम्राज्यवादी प्रवृत्तियों के विरुद्ध समान अधिकार और साझी मानवता की चेतना से भी गहराई से सम्बद्ध है।

पर्युषण पर्व पर आयोजित समवशरण मंडल विधान के समापन पर निकाली दिग्विजय शोभा यात्रा

राजेंद्र लक्ष्मी बांझल को दानवीर की उपाधि से सम्मानित किया

धार । दिगंबर जैन समाज के पर्युषण पर्व पर आयोजित समशरण मंडल विधान के समापन पर मुख्य पात्र चक्रवर्ती राजेंद्र लक्ष्मी बांझल एव सभी इंद्रों की एक दिग्विजय यात्रा भव्य रूप में निकाली गई जिसमें सौधर्म इंद्र नरेशकुमार गंगवाल एव सभी इंद्र अपने अपने सुसज्जित रथ पर सवार होकर यात्रा की शोभा बड़ा रहे थे। यात्रा में मुनिश्री विभंजन सागर ससंघ का पावन सानिध्य मिला साथ ही श्री जी की रथ यात्रा भी निकाली गई। सभी भक्त गण जय जयकार लगाते भक्ति करते हुए चल रहे थे । समाज द्वारा मंडल विधान में बैठे सभी इंद्र इन्द्राणियों का व तपस्वियों का बहुमान किया गया। समाज द्वारा राजेंद्रजी लक्ष्मी जी

बांझल को उनकी समाज सेवा व जैन धर्म के प्रति समर्पण श्रद्धा को देखते हुवे उन्हें दानवीर की उपाधि देकर सम्मानित किया। जानकारी देते हुवे मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल ने बताया कि यात्रा समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल अजय लुहाड़िया के संयोजन में आयोजित की गई थी । अंतिम दिन सुबह मुनिश्री के सानिध्य में संत सदन में क्षमा वाणी पर्व मनाया गया । इस अवसर पर आचार्य श्री के चित्र अनावरण व मुनिश्री के पाद प्रक्षालन का शोभाग्य संजय जी अजय जी हर्ष लुहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात समाज के सभी सदस्यों ने आपस में गत वर्ष हुई अपनी गलतियों के लिए आपस में क्षमा याचना की तत्पश्चात श्री जी की शोभा यात्रा निकाली गई। शाम को मानतुंग गिरी तीर्थ क्षेत्र पर परम् पूज्य क्षुल्लिका चंद्रमति माताजी के सानिध्य में क्षमा पर्व मनाया गया एवं स्नेह भोज आयोजित किया गया। सायंकालीन आरती के पश्चात दिगंबर जैन महिला महा समिति संभाग धार द्वारा धार्मिक तंबोला का आयोजन किया गया।

लगन और मेहनत से भोपाल के सामान्य परिवार के अमान ने पूरा किया उड़ान का सफ़र

25 की उम्र में बने पायलट, मध्यप्रदेश फ्लाइंग क्लब से पूरी की ट्रेनिंग

भोपाल। मेहनत और सपनों की उड़ान ने 25 वर्षीय अमान खान को पायलट बना दिया है। भोपाल के अमान ने हाल ही में मध्यप्रदेश फ्लाइंग क्लब से पायलट प्रशिक्षण पूरा किया और अब वे वाणिज्यिक विमान उड़ाने की तैयारी कर रहे हैं। अमान का कहना है कि बचपन से ही उन्हें आसमान में उड़ते विमानों को देखकर पायलट बनने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा, जब भी विमान उड़ता था, मैं सोचता था कि एक दिन मैं भी आसमान की ऊँचाई छुऊँगा। आज यह सपना पूरा हो रहा है। अमान के पिता श्री इश्तियाक़ ख़ान टेलरिंग का कार्य करते हैं और माता श्रीमती आयशा खान रेलवे में सेवा दे रही हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद माता-पिता ने बेटे को पायलट बनाने का सपना संजोया और हर कदम पर साथ दिया। सितम्बर 2022 में अमान ने उड़ान का प्रशिक्षण शुरू किया और 08 सितम्बर 2025 को उन्होंने वाणिज्यिक पायलट का प्रशिक्षण पूर्ण किया। मध्यप्रदेश फ्लाइंग क्लब, जो राज्य का प्रमुख विमानन प्रशिक्षण संस्थान है, ने अमान को यह मुकाम दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें कैप्टन विश्वास राय, सीनियर पायलट एवं फ्लाइट इंस्ट्रक्टर कैप्टन वामसी कृष्णा, चीफ फ्लाइट इंस्ट्रक्टर कैप्टन आनंद और कैप्टन विवेक का विशेष मार्गदर्शन मिला।

अमान का लक्ष्य वाणिज्यिक विमानन क्षेत्र में करियर बनाना और आगे चलकर देश का नाम रोशन करना है। उनकी यह उपलब्धि न केवल परिवार के लिए गर्व का विषय है बल्कि प्रदेश और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा भी है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से हर सपना हकीकत में बदला जा सकता है।

प्रधानमंत्री के धार आगमन पर स्वास्थ्य गतिविधियों की तैयारी की उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने की समीक्षा

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित धार आगमन पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में प्रदेश में स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सभी कार्य योजनाबद्ध रूप से किए जाएँ ताकि विशेष स्वास्थ्य सेवाओं से अधिक से अधिक लक्षित समूह लाभान्वित हो सके। उन्होंने आगामी 17 सितंबर से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान पखवाड़े को सुव्यवस्थित रूप से आयोजित कर अधिक से अधिक नागरिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अभियान की सतत मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जाये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मेडिकल टीचर्स की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेवा शर्तों, मानदेय और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना और सीईओ आयुष्मान मध्यप्रदेश डॉ. योगेश भरसट उपस्थित थे।

जमीनी विवाद में पत्नी ने की, पति की हत्या

आमला। थाना क्षेत्र के ग्राम डोडावानी में एक पत्नी द्वारा अपने पति की हत्या करने का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। टीआई राजेश सातनकर ने बताया डोडावानी गांव में बीती को काशीराम पिता सुखराम यादव की पत्नी मंगलवती के बीच जमीनी बात को लेकर बात हुई थी। जिससे नाराज होकर पत्नी ने पति को लोहे की रॉड से उनके सिर पर चार पांच बार हमला कर उनकी हत्या की। परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। शव को आमला अस्पताल लाया है.पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। शव परिजनों कों सौंप दिए है। मृतक के भाई मेषराम ने पुलिस कों बताया कि पति -पत्नी के बीच जमीनी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद मंगलवती ने इस वारदात कों अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी कों हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की विवेचना में जुटी हुई है।

सांदीपनी उमावि मुलताई में बसों से लग रहे जाम की समस्या का हुआ समाधान

बैतूल। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुलताई के मार्ग पर अव्यवस्थित खड़ी बसों के कारण आए दिन ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो रही थी। इस समस्या से न केवल विद्यालय आने-जाने वाले छात्र-छात्राएं व अभिभावक प्रभावित हो रहे थे, बल्कि आम राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि विद्यालय पहुंचकर मार्ग पर खड़ी सभी बसों को तत्काल हटवाकर उन्हें विद्यालय के खेल मैदान में व्यवस्थित रूप से खड़ा करवाया। यह सुनिश्चित किया कि अब से विद्यालय मार्ग पर किसी भी बस को खड़ा नहीं किया जाएगा। बस चालकों एवं विद्यालय प्राचार्य को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी बसें अपने निर्धारित संख्या के अनुसार मैदान में क्रमबद्ध खड़ी रहेंगी। साथ ही बच्चों को पंक्तिबद्ध होकर संबंधित बसों में बैठने की व्यवस्था की जाएगी। इसके बाद बसों को उसी क्रम में व्यवस्थित तरीके से रवाना किया जाएगा। प्रशासन ने विद्यालय प्राचार्य को भी निर्देशित किया है कि इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

हितग्राहियों को दिसंबर से पहले करना होगा पीएम आवास का काम पूरा

जिले में 439 मकान अधूरे, मकान पूरा कराने नपा कर रही प्रेरित

बैतूल। प्रधानमंत्री आवास को लेकर जिले की स्थिति कुछ खास नहीं है। यहां करीब 439 मकान अभी भी अधूरे है। इनमें कई मकान ऐसे हैं जिनका काम पहली या दूसरी किस्त लेने के बाद से रुका है। विभाग के माध्यम से हितग्राहियों को बार-बार प्रेरित किया जा रहा है कि वे अपने मकान जल्दी से जल्दी पूरे करें।

दरअसल पीएम आवास योजना (शहरी) 1.0 का क्रियान्वयन अब अंतिम चरण में है। यह योजना 31 दिसंबर 2025 को पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। इसके बाद केवल पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 लागू रहेगी, जिसके लिए वर्तमान में नए आवेदन लिए जा रहे हैं। सरकार चाहती है कि प्रथम चरण में स्वीकृत और अधूरे मकान समय पर पूरे हो जाएं, ताकि योजना की साख बनी रहे। यहीं वजह है कि बैतूल नगरपालिका ने इसके लिए कर्मचारियों की टीम बनाई है, जो हितग्राहियों के घर-घर जाकर उन्हें मोटिवेट कर रही है।

दिसंबर 2025 के बाद अधूरे मकान पर नहीं मिलेगी राशि- केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि 31 दिसंबर 2025 के बाद अधूरे मकानों पर न तो कोई राशि मिलेगी और न ही ढील। उल्टे, अब तक मिली रकम की वसूली शुरू कर दी जाएगी। केंद्र सरकार की इस सख्ती के चलते अब स्थानीय निकायों ने अपूर्ण पड़े आवासों को पूर्ण कराने के लिए दौड़-भाग शुरू कर दी है। नगरीय प्रशासन एवं विकास नर्मदापुरम संभाग के संभागीय सहायक संचालक नवनीत पांडेय ने संभाग की सभी नगरपालिकाओं को पत्र लिखकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्माणाधीन मकानों को सितंबर तक हर हाल में पूरा कराया जाए। इसके बाद भी काम अधूरा रहा तो केंद्र सरकार अनुदान की किश्तें बंद कर देगी।

अधूरे मकानों के लिए होगी रिकवरी की प्रक्रिया - प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का पहला चरण अब अंतिम दौर में है, लेकिन अधूरे मकानों का बोझ सरकार और हितग्राहियों दोनों की नींद उड़ा रहा है। जिले में ही 439 मकान आधे-अधूरे हैं। दिसंबर 2025 तक जो मकान पूरे नहीं होंगे, उनके हितग्राहियों से दी गई राशि की रिकवरी की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। सरकार और प्रशासन की इस सख्ती से हितग्राही दुविधा में हैं। कई लोगों का कहना है कि महंगाई और आर्थिक तंगी के कारण मकान अधूरे रह गए हैं। मजदूरी और सामग्री महंगी होने से निर्माण कार्य बीच में रुक गया। अब वे हर हाल में मकान पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि राशि की वसूली का डर उन्हें परेशान कर रहा है।

हितग्राहियों को जारी किए गए नोटिस - केंद्र से सख्त निर्देश मिलने के बाद नगरपालिकाओं ने अपने-अपने क्षेत्र के अधूरे मकानों के हितग्राहियों को नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। नोटिस में लिखा है कि यदि निर्धारित समय-सीमा में मकान पूरे नहीं किए गए तो न केवल अनुदान बंद हो जाएगा बल्कि अब तक जारी राशि की वसूली भी की जाएगी। भविष्य की सरकारी योजनाओं से वंचित करने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। इससे कई लाभार्थियों में चिंता बढ़ गई है। बता दे कि इस योजना के तहत हितग्राही को आवास निर्माण के लिए 2.50 लाख रुपए का अनुदान दिया जाता है। इसमें से केंद्र सरकार 60 प्रतिशत यानी 1.50 लाख रुपए देती है, जबकि राज्य सरकार 40 प्रतिशत यानी 1 लाख रुपए का अंश देती है। अधिकांश हितग्राहियों को पहली और दूसरी किश्त मिल चुकी है, लेकिन कई मकान अधूरे हैं।

इनका कहना है

हमारे द्वारा लगातार हितग्राहियों को मोटिवेट किया जा रहा है कि तय समय में मकान का काम पूरा करे, अन्यथा अनुदान बंद होगा और रिकवरी करनी ही पड़ेगी। पीएम आवास योजना 1.0 में 439 के लगभग मकान जिले में अधूरे हैं। जिन्हें सितंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ नगरपालिका बैतूल

आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत हृदय रोग शिविर का आयोजन

बैतूल - राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 9 सितंबर से 29 सितम्बर 2025 तक हृदय रोग जागरूकता माह मनाया जा रहा है। जागरूकता माह के अंतर्गत 10 सितम्बर 2025 को डीईआईसी जिला चिकित्सालय परिसर बैतूल में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत हृदय रोग शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में 106 बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया गया, जिनकी जांच की गई। जांच के दौरान 47 बच्चे हृदय रोग संबंधी बीमारी से ग्रसित पाए गए, जिनमें से 45 बच्चों को उपचार के लिए हायर सेंटर भेजा जाएगा और 2 बच्चों को फॉलो अप के लिए रखा गया है।

जिला चिकित्सालय में सभी टेस्ट और उपचार निःशुल्क ङ्क विधायक डॉ.पंडाग्रे- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर बच्चा स्वस्थ बने, स्वस्थ्य बनकर राष्ट्र के निर्माण में योगदान देवें, यह देश की धरोहर है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशा है कि 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र की सूची में लाए, यह तभी संभव है जब हमारी आने वाली पीढ़ी स्वस्थ रहे। कई बार जानकारी के अभाव में स्वास्थ्य समस्या होने पर भी समुचित उपचार नहीं करा पाते। सरकार द्वारा आयुष्मान योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत निःशुल्क उपचार एवं सर्जरी की जा रही है। उन्होंने उपस्थित आमजन से कहा कि बच्चों को छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत होने पर उसे जिला चिकित्सालय में दिखाएं, अब जिला चिकित्सालय में समस्त टेस्ट एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। बच्चों का ठीक तरह से चेकअप करवाएं, ताकि बच्चे स्वस्थ रहें और स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

लोगों की शिकायत और कमिश्नर के आदेश के बाद नपा ने हटाया अतिक्रमण

सड़कों तक पसरी दुकानों से आवागमन में हो रही परेशानी

आमला। नगर के जनपद चौक से शनिवार बाजार तक सडक़ के दोनों और अवैध ढंग से लग रही दुकानों को स्थानीय प्रशासन ने बुधवार सखूती से हटा दिया है। इस मौके पर नगर पालिका प्रशासन और राजस्व विभाग सहित पुलिस के अधिकारी भी मौजूद थे। इसके पूर्व में भी नगर पालिका प्रशासन द्वारा अवैध ढंग से शहर में दुकान लगा रहे दुकानदारों को नोटिस दिया गया था, किंतु प्रशासन की सूचना के बाद भी दुकानदारों ने नियमों को दरकिनार करते हुए रोड तक पसरी दुकानों को नहीं समेटा। जिसके बाद नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर जीके तिवारी के निर्देश पर अतिक्रमण की कार्यवाही की गई है। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि शहर में अतिक्रमण की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। शहर में जहां-जहां अवैध अतिक्रमण है, उन्हें सख्ती से हटाया जाएगा। इस दौरान लगभग 50 से ज्यादा दुकाने जो अतिक्रमण कर बनाई गई है, उन्हें हटाया गया है। इस दौरान तहसीलदार रिचा कौरव, थाना प्रभारी राजेश सातनकर, सीएमओ आमला नितिन बिजवे भी उपस्थित थे।

लोगों ने कहा, रसूखदारों को छोड़ा- शहर के अलग-अलग इलाकों में यूं तो बड़ी संख्या में अतिक्रमण है, कुछ इलाके तो ऐसे भी है, जहां अतिक्रमण से ऐसे इलाके अपनी पहचान भी खो चुके हैं। ऐसे में लोगों ने कहा है कि अतिक्रमण हटाने के

दौरान प्रशासन रसूखदारों को बख्श रहा है। केवल छोटे दुकानदारों पर ही कार्यवाही की जा रही है, दरअसल यहां लोगों का इशारा शनिवार बाजार को चहूं ओर से लील रहे। ऐसे मकान मालिक और दुकानदारों से था, जिन्होंने अंदर ही अंदर शनिवार बाजार को पूरी तरह समेट दिया है। लोगों की मांग है कि इन इलाकों में भी प्रशासन सख्ती से कार्यवाही करें। ऐसे इलाकों में शनिवार बाजार का पूर्वी और दक्षिणी इलाका शामिल है।

व्यापारियों ने जताया विरोध - इधर शहर के एक खास इलाके में हुई अतिक्रमण की कार्यवाही के बाद पीड़ित दुकानदारों ने स्थानीय प्रशासन पर अपना गुस्सा निकाला है व्यापारियों का कहना है कि यह समय व्यापारियों पर कार्यवाही का नहीं है अभी वर्षाकाल चल रहा है, और अचानक ही प्रशासन व्यापारियों पर कार्यवाही भी कर रहा है ऐसे में व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट बन जाएगा।

संविदा नीति से नाराज़ स्वास्थ्य कर्मचारी 16 को भोपाल में करेंगे प्रदर्शन

बैतूल। संविदा नीति से असंतुष्ट स्वास्थ्य कर्मचारी 16 सितंबर को भोपाल में जुटकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय का घेराव करेंगे। वेतन विसंगति, बर्खास्तगी और सुविधाओं में कटौती के विरोध में यह बड़ा प्रदर्शन होगा। पूरे प्रदेश के 32 हजार से अधिक संविदा कर्मचारी इस दिन एकदिवसीय अवकाश पर रहेंगे, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित होंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के बैनर तले बैतूल जिले के स्वास्थ्य कर्मचारियों ने बुधवार 10 सितंबर को इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी सूचना एवं मांग पत्र सौंपा है।भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख विनय डोंगरे ने इस आंदोलन का समर्थन किया। ज्ञापन देने वालों में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ गोविन्द प्रसाद साहू, कोषाध्यक्ष दीपक झारिया, संरक्षक पुष्पेंद्र चौरसे, मनोज चढोकार सहित अनेक संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे। ज्ञापन में बताया गया है कि एनएचएम के तहत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी पिछले 20 वर्षों से प्रदेश में निष्ठा से सेवाएं दे रहे हैं। यहां तक कि कोरोना महामारी जैसे संकट में भी इन्होंने अपने जीवन की परवाह किए बिना सेवाएं दी थीं। उनकी सेवाओं को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा 4 जुलाई 2023 को भोपाल में एक महापंचायत आयोजित कर कई घोषणाएं की गई थीं। उसी के तहत सामान्य प्रशासन विभाग ने 23 जुलाई 2023 को संविदा नीति जारी की थी। लेकिन कर्मचारी संघ का आरोप है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा इस नीति को पूरी तरह लागू नहीं किया गया। इसके विपरीत पहले से मिल रही सुविधाओं में कटौती की गई है। एलिव अवकाश और मेडिकल अवकाश को अलग किया गया है, एन.पी.एस. और स्वास्थ्य बीमा के लाभ नहीं दिए जा रहे हैं। कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि को गलत तरीके से वेतन से अलग किया गया है। इसके अलावा वेतन विसंगति, डीए की पात्रता, एक्सिस बैंक एमओयू के अनुसार 50 लाख का मृत कर्मचारी लाभ और वरिष्ठता आधारित वेतन वृद्धि जैसे मुद्दे अभी भी लंबित हैं। संघ ने यह भी आरोप लगाया है कि हाल ही में प्रदेश भर में कई संविदा कर्मचारियों की बिना जांच और बिना सुनवाई के सेवा समाप्त कर दी गई है, जो संविदा नीति 2023 के विरुद्ध है। बैतूल जिले में भी 7 कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर, 2 विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, 1 विकासखंड कम्यूनिटी मोबिलाइजर एवं 1 विकासखंड लेखा प्रबंधक की सेवा समाप्त की गई है। संघ ने इन सभी कर्मचारियों की एनएचएम में वापसी की मांग की है।

संगठन सृजन के लिए कांग्रेस में बड़ा मंथन, हर बूथ पर युवाओं की फौज खड़ी करने का संकल्प

कांग्रेस कार्यालय बैतूल में हुई संयुक्त कार्यशाला, हर ब्लॉक में नए अध्यक्ष नियुक्त करने की तैयारी

बैतूल। कांग्रेस के हर प्रकोष्ठ को सक्रिय कर संगठन सृजन कार्यक्रम को गति देने जिला कांग्रेस कार्यालय बैतूल में 10 सितंबर को एक अहम कार्यशाला आयोजित की गई। इस संयुक्त कार्यशाला में कांग्रेस के अग्रणी संगठन, प्रकोष्ठ, सेल, विभाग और युवक कांग्रेस से जुड़े समर्पित पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल के अध्यक्ष निलय डागा ने कहा कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशों के तहत यह संगठन सृजन कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें प्रत्येक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्षों की अहम भूमिका है। सभी जिलाध्यक्षों से आग्रह किया गया कि वे अपने-अपने प्रकोष्ठों की जिला कार्यकारिणी और ब्लॉक, उपब्लॉक स्तर पर अध्यक्षों की नियुक्ति हेतु नाम, पता और मोबाइल नंबर सहित जुझारू कार्यकर्ताओं की सूची शीघ्र तैयार करें। बैठक में बताया गया कि जिले के कुल 1593 बूथों में विधानसभा क्रमांक 129

मुलताई में 296, 130 आमला में 276, 131 बैतूल में 299, 132 घोड़ाडोंगरी में 375 और 133 भैंसदेही में 347 बूथ हैं। सभी विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले ब्लॉक, उपब्लॉक और नगर इकाइयों की विस्तृत सूची भी प्रस्तुत की गई। मुलताई विधानसभा (129) अंतर्गत मुलताई ब्लॉक, पाटन ब्लॉक, दुनावा उपब्लॉक, मासोद उपब्लॉक और मुलताई नगर शामिल हैं। आमला विधानसभा (130) में आमला ब्लॉक, बोरदेही उपब्लॉक, सारनी ब्लॉक, सारनी ग्रामीण ब्लॉक, आमला नगर एवं सारनी नगर आते हैं। बैतूल विधानसभा (131) के अंतर्गत बैतूल ग्रामीण ब्लॉक, बैतूल शहर ब्लॉक, आठनेर ब्लॉक, बैतूल बाजार नगर और आठनेर नगर शामिल हैं। घोड़ाडोंगरी विधानसभा (132) के अंतर्गत घोड़ाडोंगरी ब्लॉक, चोपना उपब्लॉक, पाढर उपब्लॉक, शाहपुर ब्लॉक, भौरा उपब्लॉक, चिचोली ब्लॉक शहर, चिचोली ब्लॉक ग्रामीण, घोड़ाडोंगरी नगर, शाहपुर नगर और चिचोली नगर शामिल किए गए हैं। भैंसदेही विधानसभा (133) में भैंसदेही ब्लॉक, भीमपुर ब्लॉक, दामजीपुरा उपब्लॉक, हिडली उपब्लॉक और भैंसदेही नगर शामिल हैं।

छात्र संगठन में कैंपस अध्यक्ष की होगी शीघ्र नियुक्ति - छात्र संगठन एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले के प्रत्येक शासकीय और प्राइवेट महाविद्यालय, आईटीआई, बीएड, इंजीनियरिंग और नर्सिंग कॉलेजों में कैंपस अध्यक्ष की शीघ्र नियुक्ति करें। साथ ही छात्र संगठन की सदस्यता अभियान को गति देते हुए पूरी लिस्ट कांग्रेस कार्यालय में जमा करें ताकि प्रशिक्षण और अन्य आयोजनों में इन छात्र नेताओं को शामिल किया जा सके और कांग्रेस की विचारधारा, नीति और देश के निर्माण में उसकी भूमिका से उन्हें अवगत कराया जा सके। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष और प्रदेश पदाधिकारियों से यह भी आग्रह किया गया कि वे प्रत्येक बूथ पर एक-एक सोशल मीडिया क्रिएटर या आईटी जानकार कार्यकर्ता की जानकारी नाम और मोबाइल नंबर सहित अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

अरविंद शर्मा हो सकते हैं विधानसभा के नए प्रमुख सचिव

लोकसभा से एमपी विधानसभा में लेकर आए हैं स्पीकर, जल्द होगा फैसला

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह इस महीने 30 सितंबर को रिटायर होने वाले हैं और अब उनके पुनर्नियुक्ति की संभावना नहीं है। इसे देखते हुए विधानसभा में सचिव की जिम्मेदारी निभा रहे अरविंद शर्मा को नया प्रमुख सचिव बनाए जाने की संभावना है। प्रमुख सचिव की नियुक्ति का अधिकार विधानसभा अध्यक्ष को होता है। चूंकि अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ही अरविंद शर्मा को लोकसभा से प्रतिनियुक्ति पर लेकर आए थे, इसलिए उनका प्रमुख सचिव बनना लगभग तय माना जा रहा है।

1 अक्टूबर से मिल सकती है जिम्मेदारी - वर्तमान प्रमुख सचिव एपी सिंह को मानसून सत्र के दौरान सदन में स्वयं विधानसभा अध्यक्ष ने विदाई दी थी और विधायकों से शुभकामनाएं दिलाई थीं। इससे यह संकेत स्पष्ट हो गया था कि एपी सिंह का कार्यकाल आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। ऐसे में यह माना जा रहा है कि एपी सिंह का कार्यकाल अब नहीं बढ़ेगा और नया प्रमुख सचिव नियुक्त किया जाएगा।

अरविंद शर्मा की दावेदारी सबसे मजबूत - विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा चुनाव के बाद अध्यक्ष बनने के बाद अरविंद शर्मा को लोकसभा से प्रतिनियुक्ति पर लाकर विधानसभा सचिव बनाया था। एक साल की प्रतिनियुक्ति के बाद उनका संविलियन विधानसभा में हो गया। वर्तमान में वे 60 साल की उम्र पार कर चुके हैं और विधानसभा नियमों के अनुसार वे 62 साल की उम्र तक सेवा में रह सकते हैं। इस हिसाब से यदि उन्हें प्रमुख सचिव बनाया जाता है, तो वे अगले दो सालों तक इस पद पर कार्यरत रह सकते हैं। चूंकि स्पीकर की पसंद वे स्वयं हैं, इसलिए उनकी नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही है।

एपी सिंह को सेवा विस्तार की उम्मीद नहीं - एपी सिंह पहले ही 62 साल की उम्र में रिटायर हो चुके हैं, फिर उन्हें दो साल का विस्तार और फिर 6 महीने की संविदा सेवा दी गई थी, जो 30 सितंबर को समाप्त हो रही है। अब वे 64 साल से ज्यादा के हो चुके हैं और स्पीकर द्वारा उन्हें औपचारिक विदाई दी जा चुकी है, इसलिए सेवा बढ़ाने की संभावना नहीं बची है। हालांकि सिंह ने प्रमुख सचिव के रूप में विधानसभा में लंबा कार्यकाल पूरा किया है।

डीजे को पीएस बनाने का स्पीकर को है पावर - विधानसभा अधिनियम के तहत स्पीकर के पास यह भी अधिकार है कि वे जिला न्यायाधीश (डीजे) स्तर के अधिकारी को भी प्रमुख सचिव नियुक्त कर सकते हैं। लेकिन सूत्रों के अनुसार फिलहाल इसकी संभावना कम है, क्योंकि अरविंद शर्मा ही स्पीकर की प्राथमिकता में हैं।

नर्मदापुरम में तवा डैम के 5 गेट खोले

डिंडौरी-पिपरिया में गिरा पानी, 4 जिलों में अलर्ट, 15 सितंबर के बाद एमपी में लौटेगी बरसात

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में लो प्रेशर एरिया और मानसून ट्रफ का सिस्टम कमजोर हो गया है। इस वजह से कुछ ही जिलों में बारिश का दौर है, बाकी जिलों में धूप निकल रही है। ऐसा मौसम 15 सितंबर तक रहेगा। इसके बाद स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से पूरे प्रदेश के भीगने का अनुमान है। वहीं नर्मदापुरम में तवा डैम के 5 गेट खोले गए थे।भोपाल में सुबह से धूप खिली थी। डिंडौरी में सुबह साढ़े दस बजे मूसलाधार बारिश हुई। नर्मदापुरम के पिपरिया और आसपास के इलाके में रुक-रुककर पानी गिर रहा है।

मौसम विभाग ने बुधवार को मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां अगले 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि मानसून ट्रफ प्रदेश के ऊपर से गुजर रही है। वहीं, अन्य सिस्टम प्रदेश से काफी दूर हैं। इस वजह से कुछ जिलों में बारिश का दौर बना हुआ है। इटारसी में

कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के कारण तवा डैम का जलस्तर 1166 फीट तक पहुंच गया है। इसके मद्देनजर बांध के 5 गेट 5-5 फीट खोले गए हैं। इनसे 26,034 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

भोपाल में भदभदा का एक, कलियासोत डैम के दो गेट खुले - इससे पहले मंगलवार दोपहर करीब एक बजे भदभदा डैम का एक गेट खोल दिया गया। शाम तक डैम से 7 एमसीएफटी पानी छोड़ा गया। इससे पहले 6 सितंबर को भी बड़े तालाब का जलस्तर 1666.80 फीट तक पहुंचने पर एक गेट खोला गया था। कलियासोत डैम के दो गेट रात साढ़े 8 बजे खोले गए। उमरिया के जोहिला डैम के भी दो गेट आधे-आधे मीटर तक खोले गए। इधर, तेज बारिश की वजह से भोपाल के कई इलाकों में जलभराव के हालात बन गए। बाणगंगा चौराहे पर सड़क पर काफी पानी भर गया। इससे लोग परेशान होते रहे।

पचमढ़ी में साढ़े 3 इंच बारिश - मध्यप्रदेश के 13 से अधिक जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश का दौर रहा। पचमढ़ी में साढ़े 3 इंच बारिश हो गई। भोपाल में 1.7 इंच, सागर में 1.2 इंच पानी गिरा। रायसेन, दमोह, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, नरसिंहपुर, उमरिया, बैतूल, मंडला, नर्मदापुरम और सतना में भी बारिश हुई।

महाकाल मंदिर का स्ट्रक्चर जांच रही सीबीआरआई की टीम

रुड़की से आई टीम 3 दिन तक उज्जैन में शिखर से नींव तक करेगी निरीक्षण

उज्जैन (नप्र)। महाकालेश्वर मंदिर की प्राचीन और नवीन संरचनाओं की मजबूती जांचने के लिए केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई), रुड़की की टीम बुधवार को उज्जैन पहुंची। यह टीम करीब तीन दिन तक मंदिर के स्ट्रक्चर का गहन निरीक्षण करेगी और अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी।

सीबीआरआई की टीम इससे पहले भी 15 अक्टूबर 2024 को महाकाल मंदिर आई थी। इस दौरान उसने मंदिर में किए गए नए निर्माण को भी परखा था। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के मुताबिक, प्रशासन ने निरीक्षण के लिए सीबीआरआई को पत्र लिखा था, जिसके बाद यह टीम स्ट्रक्चर की मजबूती की जांच के लिए उज्जैन पहुंची है।

टीम इस बार मंदिर की प्राचीन और नई दोनों संरचनाओं का सूक्ष्म अध्ययन कर रही है। इसमें शिखर पर लगे पत्थरों की स्थिति, उनकी घनत्व, इस्तेमाल हुई सामग्री, नींव की गहराई और नए निर्माण के प्रभाव जैसे बिंदुओं की जांच शामिल है।

बता दें कि सीबीआरआई की यह टीम पिछले पांच वर्षों से लगातार हर साल महाकाल मंदिर के स्ट्रक्चर की जांच कर रही है।

ट्रक ने कार को टक्कर मारी, दो की मौत

दमोह से ललितपुर जा रही थी कार, टक्कर लगने से डिवाइडर पर पलटी, 7 लोग घायल

सागर (नप्र)। सागर से निकले नेशनल हाईवे-44 पर ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। 7 लोग घायल हैं, 3 की हालत गंभीर है। हादसा शुखालीपुरा गांव के पास बुधवार दोपहर का है। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर पलट गई। कार में महिला और एक पुरुष की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मालथौन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

मृतक दमोह जिले के रहने वाले - दमोह जिले के जबेरा निवासी जैन परिवार के सदस्य कार क्रमांक एमपी 20 जेडएच 1670 में सवार होकर ललितपुर की ओर जा रहे थे। तभी मालथौन थाना क्षेत्र के ग्राम शुखालीपुरा

के पास तेज रफ्तार ट्रक ने कार को साइट से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार डिवाइडर पर पलट गई। दुर्घटना में गंभीर चोट आने से रितू जैन (35) और सचिव जैन (45) निवासी जबेरा की मौके पर ही मौत हो गई।

राहगीरों ने लोगों को कार से बाहर निकाला - घटना देख राहगीर मौके पर पहुंचे और कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। एम्बुलेंस की मदद से मालथौन अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से तीन गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मालथौन थाना प्रभारी अशोक यादव ने बताया कि ट्रक और कार की टक्कर में महिला और पुरुष की मौत हुई है। कुछ लोग घायल हैं। मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

लंबित आवेदनों की समीक्षा हुई

विदिशा (निप्र)। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने आज लंबित आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेस्ल्पलाईन, समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम के साथ-साथ वरिष्ठ कार्यालयों तथा जनसुनवाई कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों के निराकरणों की अद्यतन समीक्षा की है। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने जिलाधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन आवेदनो पर विशेष ध्यान दें। ऐसे अनेक आवेदन है जो सौ दिवस से ऊपर हो गए है यह आवेदन विभागीय कार्यप्रणाली को रेखांकित करते है उन्होंने सीएम हेल्पलाइन के आवेदनो को निराकरण करने हेतु निर्धारित मापदण्डो को भी रेखांकित किया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में मुख्यतः सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज 50 दिवसीय, सौ दिवसीय, आयुष्मान कार्ड, समाधान ऑन लाइन कार्यक्रम की रिपोर्ट, सौ दिवस के लंबित समाधान रिपोर्ट, विभागवार जारी ग्रेडिंग रैकिंग सूची के अलावा विभिन्न विभागो के माध्यम से क्रियान्वित हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित प्राप्त आवेदनो की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा अद्यतन जानकारियां सांझा की गई है। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने न्यायालयीन प्रकरणो के मामलो में तमाम जानकारियां समय सीमा में दर्ज कराने के निर्देश देते हुए कहा है कि न्यायालय में सबमिट किए जाने वाले जानकारी की एक प्रति जिला कार्यालय को भी उपलब्ध कराएं। एक भी प्रकरण में न्यायालय की अवहेलना ना हो पाए का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में धरती आबा अभियान, ईकेवायसी, पात्रता पर्ची, जल निगम के माध्यम से हर घर नल से जल, जन मन अभियान, पेंशन प्रकरण, सीएम राइज स्कूल से संबंधित आवेदनो के निराकरण की समीक्षा की गई है। बैठक में संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर के अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें जबकि खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया।

राजस्व विभाग, पुलिस व जल संसाधन विभाग द्वारा 20 अतिक्रमण कारियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया गया

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना एवं अनुविभागीय अधिकारी नर्मदापुरम के निर्देशानुसार सोमवार 08 सितम्बर को ग्राम टिगरिया तहसील डोलरीया स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 149 -150 - 151 रकबा 3.533 मद नहर मध्य प्रदेश शासन पर किए गए 20 अतिक्रमणकारियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को राजस्व विभाग, पुलिस व जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में हटाया गया। जिसमें 20 अतिक्रमणकारियों के पक्के / कच्चा /व्यावसायिक निर्माण को अतिक्रमण मुक्त करा कर जल संसाधन विभाग को कब्जा सौंपा गया। कार्यवाही के दौरान मौके पर तहसीलदार डोलरिया श्री सुनील गढ़वाल, नायब तहसीलदार पूनम सिंह सलामे, राजस्व निरीक्षक श्री राजकुमार पटेल, थाना प्रभारी डोलरिया श्री खुमान सिंह पटेल व थाना डोलरिया का पुलिस बल, जलसंलसाधन विभाग इटारसी उपनहर अनुविभागीय अधिकारी श्री प्रकाश काकडे, सब इंजीनियर श्री एम. एफ. खान, सब इंजीनियर श्री इशू जैसवाल, अमीन श्री रवि प्रकाश आर्य, पटवारी सुश्री जानकी मेहरा, श्री हिमांशु देशमुख, श्री हेमंत मिश्रा, श्री संदीप मेहरा, श्री सुरेश कुशराम, सुश्री रंजना पाल, कोटवार श्री कन्हैया मेहरा, श्री संजय मेहरा उपस्थित रहे।

सिंगरौली में धर्मांतरण का आरोप ओडिशा के 5 लोग गिरफ्तार

पैसे का लालच दे रहे थे, बाइबिल, भजन संहिता और धार्मिक सामग्री जब्त

सिंगरौली (नप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के नवानगर इलाके में धर्मांतरण का मामला सामने आया है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में ओडिशा से आए लोग गरीब बस्तियों में

रहने वालों को पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे थे।

संयुक्त मानव अधिकार संगठन और भाजपा नेताओं की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। संगठन के अध्यक्ष आलोक कुमार शुक्ला के अनुसार, मंगलवार रात निगाही मोड काली मंदिर के पास एक हॉल में 100 से अधिक महिला-पुरुष जमा थे। वहां ओडिशा से आए लोग ईसाई धर्म अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे थे।

नवानगर थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी ने बताया कि मौके से आपत्तिजनक ग्रंथ और अन्य सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने नाथन नायक, मीणा नायक, अर्पित नायक, पिंकी सोनवानी और नंदन शाह को हिरासत में लिया है। इनसे पूछताछ जारी है। इससे पहले भी इस क्षेत्र में धर्मांतरण के मामले सामने आ चुके हैं। कुछ महीने पहले माडा थाना क्षेत्र में भी इसी तरह का एक मामला पकड़ा गया था।

आरोपी लगभग 15 साल पहले उड़ीसा से सिंगरौली आया था और नवानगर इलाके में एक छोटी सी कपड़े सिलने की दुकान चल रहा है। इसके अलावा इसी आरोपी ने नवानगर इलाके में नॉर्दर्न कोलफील्ड की जमीन पर अवैध कब्जा करके एक चर्च नुमा भवन भी बना रखा है। वहीं से यह पूरा रैकेट चला रहा था, उसे अवैध चर्च का बिजली कनेक्शन भी इसी आरोपी के नाम पर है।

मीणा नायक आरोपी नाथन की पत्नी है। यह महिलाओं के बीच घुल मिलकर धर्मांतरण कराने के लिए उन्हें प्रेरित करती थी।

अर्पित नायक आरोपी नंबर एक और दो का लड़का है। यह बैढ़न की डिग्री कॉलेज में क्रफर्स्ट ईयर का छात्र है और यह कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को धर्मांतरण के लिए प्रेरित करता था। इसके अलावा युवाओं को भी बहकने में अपने माता-पिता की मदद कर रहा था

पिंकी सोनवानी स्थानीय नवानगर इलाके की रहने वाली है और यह स्वीपर है। घर पर रहकर आसपास की महिलाएं जो इसके समाज की हैं उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए उकसाती थी। जिसके एवज में इसे मोटा पैसा आरोपी दिया करते थे।

नंदन शाह नंदन शाह डिग्री कॉलेज में पढ़ता है और यह लगभग अपने माता-पिता के साथ 15 साल पहले बिहार से सिंगरौली आया था। माता एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं और यह आरोपी अर्पित नायक के साथ मिलकर युवाओं को जोड़ने का काम कर रहा था।

जेएच कॉलेज में बांस कला प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जयवन्ती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्याल बैतूल के स्वामी विवेकानन्द कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा अल्पावधि रोजगारोन्मुखी, स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के अंतर्गत बांस कला प्रशिक्षण का शुभारंभ सोमवार को किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रभारी प्राचार्य डॉ. अनिता सोनी ने बांस कला की उपयोगिता एवं महत्व पर प्रकाश डाला।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

कृमिनाशन हेतु खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की 400 एमजी की गोली

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को दिए नर्देश राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन 23 सितंबर को, कृमिनाशन हेतु खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की 400 एमजी की गोली रायसेन, 08 सितम्बर 2025 कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला टॉस्क फोर्स की बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। जिले में आगामी 23 सितम्बर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिले के एक से 19 वर्ष के बच्चों तथा प्रजनन आयु वर्ग 20 से 49 वर्ष की महिलाओं (गर्भवती माताओ और धात्री माताओं को छोड़कर) को शासकीय एवं समस्त अशासकीय स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, मदरसों, छात्रावास, आदिवासी आश्रम शालाओ में कृमिनाशन की खुराक दी जाएगी। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में एक से 19 आयु वर्ग का कोई भी बच्चा तथा 20 से 49 वर्ष की महिलाएं कृमिनाशक दवा के सेवन से छूटे नहीं। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा भी अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में सीएमएचओ डॉ एचएन मांढरे ने बताया कि प्रदेश के चिन्हित 51 जिलों में शामिल रायसेन जिले में भी 23 सितम्बर को स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान आयोजित होगा। इस दौरान छूटे हुए बच्चों के लिए मॉप-अप दिवस 26 सितम्बर शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत शासकीय, निजी, केन्द्र शासित, आदिवासी आश्रम शालाओं, स्नातक महाविद्यालयों, तकनीकी शिक्षा केन्द्रों, मदरसों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा किशोर न्याय अधिनियम अंतर्गत संचालक चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूट में 1 वर्ष से 19 वर्षीय समस्त बच्चों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में 20 से 49 वर्ष की प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं को कृमिनाशक दवा पिलाई जाएगी। बैठक में बताया गया कि कृमि संक्रमण से बच्चों का शारीरिक एवं बौद्धिक विकास बाधित होता है एवं कृमि संक्रमित हितग्राही के पोषण एवं अवशोषण स्तर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बैठक में बताया गया कि 1 से 2 वर्ष के बच्चों को एल्बेंडाजोल 400 मि.ग्रा. की आधी गोली चूरा करके, 2 से 3 वर्ष के बच्चे को एल्बेंडाजोल 400 मि.ग्रा. की पूरी गोली चूरा करके, 3 से 19 वर्ष के बच्चे को एल्बेंडाजोल की पूरी गोली चबाकर एवं 20 से 49 वर्ष की महिलाऐं को एल्बेंडाजोल 400 मि.ग्रा. की पूरी गोली चबाकर पीने के साफ पानी के साथ खिलाई जाएगी।

69वीं राज्य स्तरीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

विदिशा (निप्र)। जिले का खेल इतिहास एक बार फिर गौरवान्वित हुआ जब स्प्रिंगफील्ड स्कूल के खेल प्रांगण में 69वीं राज्य स्तरीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रदेशभर से पहुंचे करीब 300 खिलाड़ी, 60 तकनीकी अधिकारी और 170 विभागीय कर्मचारी शामिल हुए, जिन्होंने पूरे माहौल को ऊर्जावान और उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। मंच पर जिला पंचायत अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा, स्प्रिंगफील्ड स्कूल के चेयरमैन योगेंद्र राणा, प्राचार्य विनय अग्रवाल एवं भरत यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर स्प्रिंगफील्ड स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता के दौरान मध्यप्रदेश का राज्य ध्वज जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी द्वारा फहराया गया, वहीं खिलाड़ियों और कार्यक्रम की आधिकारिक शुरुआत की घोषणा नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति शर्मा ने की। कार्यक्रम प्रतिवेदन का वाचन डीपीसी आर.पी. लखेर ने किया। जिला शिक्षा अधिकारी शिशुपाल सिंह जाटव के निर्देशन में प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष चतुर्वेदी ने सभी संभागों से आए जनरल मैनेजर एवं प्रशिक्षकों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर स्प्रिंगफील्ड स्कूल के डायरेक्टर करण राणा एवं मीनल राणा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लिली जैन, प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी के. सिंह, ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी अंबेश सोनी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवगंज क्रमांक-1 की प्राचार्य इंदुमती खरे, वरिष्ठ खेल शिक्षक राजेंद्र यादव, अनिल सोनी, कुपदीप भारती सहित अनेक शिक्षक एवं अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन खेल शिक्षक भूपेंद्र शर्मा के साथ स्प्रिंगफील्ड वर्ल्ड स्कूल के छात्र निमित्त सोनकर एवं यशिता बघेल ने किया। इस राज्य स्तरीय आयोजन से न केवल युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि जिले की खेल संस्कृति को भी नई दिशा प्राप्त होगी। आयोजन समिति का मानना है कि खेलों के माध्यम से खिलाड़ियों में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है।

महिला किसानों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया उद्घाटन

नर्मदापुरम (निप्र)। महिला किसानों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सोमवार 08 सितम्बर को केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, बुदनी में एक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त सचिव श्रीमती एस रुक्मणी (मशीनीकरण एवं प्रौद्योगिकी) द्वारा किया गया। श्रीमती एस रुक्मणी ने कार्यक्रम को संबोधित किया और महिला लाभार्थियों से बातचीत की। कृषि अभियांत्रिकी निदेशालय निदेशक श्री पी एस श्यामजी वर्चुअली उपस्थित थे और उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर बल दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को ट्रैक्टरों, कृषि मशीनरी और कटाई उपरांत उपकरणों के संचालन एवं रखरखाव की बुनियादी जानकारी प्रदान करना। मूल्य संवर्धन में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों के बारे में जानकारी देना। कृषि मशीनरी, फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी और कृषि उत्पादन में उपयोगी कटाई के बाद के उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। एसएमएएम कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय सहायता हेतु मध्य प्रदेश सरकार के कृषि अभियांत्रिकी निदेशालय द्वारा सीएचसी/एफएमबी और व्यक्तिगत अनुदान के सभी लाभार्थियों को नामित किया गया था। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के 25 जिलों से महिला किसान आई। बुदनी संस्थान के निदेशक डॉ बी एम नांदेड़े ने कृषि यंत्रीकरण की आवश्यकता और प्रशिक्षण की उपयोगिता के बारे में बताया। कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान वरिष्ठ कृषि अभियंता श्री ए.के. उपाध्याय और प्रशिक्षण अधिकारी भी उपस्थित थे।

38 करोड़ से अधिक की लागत से जिले में 52 कच्ची नहरों के मरम्मत और सुदृढीकरण के होंगे

जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित

बैतूल (निप्र)। जिले की जल भरण संरचनाओं के नवीनीकरण और पुनरूद्धार की योजना के क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक का आयोजन सोमवार को कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में वनमंडलाधिकारी श्री नवीन गर्ग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग श्री सीएल मरकाम सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी कृषि एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कार्यपालन यंत्री श्री मरकाम द्वारा जल संसाधन विभाग के आदेश अनुसार जिले के विभिन्न जलाशयों की नहरों का सुधार, मरम्मत एवं नवीनीकरण के कार्य किया जाना है। विभाग द्वारा सुधार योग्य जिले की 52 कच्ची नहरों का चिन्हांकन किया गया है। जिनके सुदृढीकरण के लिए 38 करोड़ 29 लाख की राशि प्रस्तावित की गई है। जिसका उद्देश्य इन नहरों का आवश्यकतानुसार नवीनीकरण और सुधार के कार्य कर अंतिम छोर तक पानी पहुंचाना है। जिससे सिंचाई क्षमता बाधित न हो और पूरी तरह किसानों को सिंचाई के लिए पानी का लाभ मिल सकें। इन सुधार कार्यों की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए विभाग द्वारा स्थल निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार प्राकल्लन तैयार किया गया है। प्राकल्लन तैयार करने में शासन के निर्धारित सभी मानक मापदंडो का पालन किया गया है।

झुकी नजरें, लोकायुक्त के हाथों में दोनों हाथ...

2000 रुपए में ईमान बेच रहीं थी प्रिंसिपल मैडम को रहा पछतावा

भोपाल/इंदौर (नप्र)। लोकायुक्त की टीम ने इंदौर में बड़ी कार्रवाई की है। सांवेर में शासकीय स्कूल की प्रिंसिपल को 2000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। लिफाफा में रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा है। पकड़े जाने पर प्रिंसिपल मैडम को पछतावा हो रहा रहा है। लोकायुक्त की टीम से उनका कहना था कि गलती हो गई है। वहीं, पकड़े जाने के बाद पहले तो तेवर दिखाई फिर सिर भी नहीं उठा पा रही थीं।

शिक्षक ने की थी शिकायत - दरअसल, सांवेर स्थित शासकीय सांदीपनी मॉडल स्कूल कछालिया के शिक्षक आशीष मारू ने लोकायुक्त से शिकायत की थी। स्कूल की प्रिंसिपल मनीषा पहाड़िया उसकी सेवा स्थाई करने के लिए रिश्वत की मांग कर रही हैं। शिक्षक की शिकायत पर लोकायुक्त टीम ने इसका सत्यापन किया। इसके बाद ट्रैप दल ने आज कार्रवाई की है और प्रिंसिपल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

● **माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 के पद पर हुई थी नियुक्ति** - आवेदक की उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 के पद पर नियुक्ति दिनांक 13.10.2021 को शासकीय सांदीपनी मॉडल स्कूल कछालिया सांवेर जिला इंदौर में हुई थी। आवेदक की परिवीक्षा अवधि दिनांक 13.10.2024 को पूर्ण हो चुकी थी, परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने से आवेदक की स्थाई नियुक्ति हेतु फाइल संकुल प्राचार्य के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय इंदौर भेजनी है। आवेदक की शिक्षण संस्था द्वारा दिनांक 27.01.2025 को आवेदक की फाइल संकुल प्राचार्य मनीषा पहाड़िया के पास भेज दी गई थी।

2000 रुपए रिश्वत की मांग की थी

संकुल प्राचार्य मनीषा पहाड़िया ने शिकायतकर्ता और उसके साथी शिक्षक महेश गोयल की फाइल को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय इंदौर अग्रेषित करने के एवज में 2,000 रुपए रिश्वत की मांग की जा रही थी। रिश्वत की मांग पर शिक्षक इंदौर लोकायुक्त से इसकी शिकायत की।

प्रिंसिपल को रंगेहाथों पकड़ा गया

सत्यापन में शिकायत सही पाए जाने पर आज दिनांक 10.09.2025 को ट्रैपदल का गठन कर आरोपी को आवेदक से 2,000 रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है। आरोपी के विरूद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम की धारा-7. के अंतर्गत कार्यवाही जारी है।

लोकायुक्त ने जारी की तस्वीर

वहीं, कार्रवाई की तस्वीर लोकायुक्त ने जारी की है। इस तस्वीर में दिख रहा है कि प्रिंसिपल मैडम को अपने किए पर पछतावा है। लोकायुक्त की कस्टडी में उनकी नजरें झुकी थीं। साथ ही लोकायुक्त के कॉन्स्टेबल उनके दोनों हाथ पकड़े हुए थे।

पीएम-जनमन कार्यक्रम - आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण में म.प्र. देश में अव्वल

विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया समुदाय को मिलेगा लाभ

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया समुदाय के लिये स्वीकृत 217 आंगनवाड़ी भवनों में से 100 भवनों का तय समय-सीमा से पहले निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस उपलब्धि के साथ मध्यप्रदेश योजना के क्रियान्वयन में देश का अग्रणी राज्य बन गया है। निर्धारित लक्ष्य की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए प्रथम चरण में बड़ी प्रगति दर्ज करते हुए शेष 117 आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण 31 मार्च 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

पीएम जन-मन का लक्ष्य और महत्व

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024 से 2026 के बीच संचालित बहुउद्देशीय पीएम-जनमन अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों बैगा, भारिया और सहरिया समुदायों को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं से जोड़ना है। इस अभियान में नये आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण, पक्के भवनों की व्यवस्था और पूरक पोषण आहार का नियमित प्रदाय सुनिश्चित किया जा रहा है। इन आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा एवं पोषण मिलेगा, साथ ही जनजातीय समुदायों के समग्र विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

जिलेवार निर्माण और निवेश

शिवपुरी जिले में 39, श्योपुर में 37, शहडोल में 29, उमरिया में 23, गुना में 14, डिंडौरी में 12, अशोकनगर में 11, अनूपपुर में 7, मंडला एवं दतिया में 6-6, विदिशा, बालाघाट, ग्वालियर एवं सीधी में 5-5, जबलपुर एवं छिंदवाड़ा में 4-4, मुरैना में 2 तथा कटनी, भिंड और रायसेन में 1-1 आंगनवाड़ी भवन स्वीकृत किए गए हैं। प्रत्येक भवन पर लगभग 12 लाख रुपये का व्यय किया जा रहा है।

सामाजिक-आर्थिक विकास का मजबूत आधार

यह पहल जनजातीय बहुल इलाकों में नई उम्मीद और बदलाव की शुरुआत है। आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण केवल भौतिक संरचना नहीं बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास का मजबूत आधार भी है। इनके माध्यम से जहां बच्चों को बेहतर पोषण और शिक्षा उपलब्ध होगी, वहीं महिलाओं के स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय अभियान का यह चरण देश में जनजातीय कल्याण के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में देखा जा रहा है और मध्यप्रदेश ने इसे लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

हाट बाजार में सिकल सेल और टीबी की स्क्रीनिंग कराएं: राज्यपाल पटेल

● सिकल सेल अभियान की अवधि बढ़ाएं, ● राजभवन में हुई समीक्षा बैठक

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि हाट बाजारों में सिकल सेल और टीबी की स्क्रीनिंग शिविर लगाए जाने चाहिए जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की विरल आबादी तक पहुंच हो सके। उन्होंने कहा कि सिकल सेल जाँच के 100 दिवसीय अभियान की उपलब्धियां प्रभावी है और अभियान को 125 दिन तक बढ़ाया जाना चाहिए।

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन के जवाहर खण्ड में बुधवार को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष और जनजातीय कार्य विभाग की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आगनबाड़ियों के साथ सतत संपर्क पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम के प्रभावी संचालन में आगनबाड़ी के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर हो सकती है। उन्होंने कहा कि जिलों के प्रवास के दौरान वह पीएम जनमन, धरती आबा अभियान, सिकल सेल और टी.बी. रोग की समीक्षा अनिर्वायत- करेंगे। उन्होंने अपेक्षा की है कि जिलों

में राज्यपाल के प्रवास के दौरान कार्यक्रम स्थल पर टी.बी., सिकल सेल रोग की स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जन प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त करने की भी जरूरत बताई है। उन्होंने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सांसद और विधायक निधि से वित्तीय सहयोग प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि वे सहयोग की जनप्रतिनिधियों से भी अपील करेंगे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों की सफलता में स्वास्थ्य सेवाओं की अंतिम कड़ी तक पहुंच बहुत महत्वपूर्ण है। समुदाय के बीच पहुंच कर स्वास्थ्य शिक्षा के प्रयास बहुत प्रभावी होते हैं। उन्होंने एकलव्य विद्यालयों में सिकल सेल जांच शिविरों के आयोजन की पहल की सराहना की। जनजातीय छात्रावास के प्राचार्य और शिक्षकों को सिकल सेल रोग के संबंध में सेंसेटाईज करने के प्रयास करने के लिए कहा है।

राज्यपाल श्री पटेल ने आयुर्वेदिक औषधियों की वितरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने सिकल सेल रोगियों को आयुर्वेदिक औषधियां उपलब्ध करवाने को कहा। बताया गया कि विभाग द्वारा चयनित पायलट जिले धार में 1546 और बड़वानी में 1015 रोगियों को सिकल सेल की आयुर्वेदिक औषधियाँ दी जा रही है। प्रदेश में 17 सितम्बर से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान चलाया जाएगा। सिकल सेल के लिए संचालित 100 दिवसीय अभियान के दौरान सिकल सेल रोगियों को जेनेटिक कार्ड वितरण कार्य बहुत तेज गति से हुआ है।

अभियान अवधि में 12 लाख से अधिक कार्ड वितरित हुए है। विभाग द्वारा 1 करोड़ वां कार्ड प्रधानमंत्री द्वारा वितरित करावाने की योजना है। प्रदेश में टी.बी. और सिकल सेल रोग प्रबंधन प्रयासों के परिणामों के बेहतर संकेत मिल रहे हैं। टी.बी. रोगियों के ड्रॉप आउट और मृत्यु दर में कमी दिख रही है। सिकल सेल प्रबंधन से मातृ मृत्यु दर में भी कमी होने की जानकारी मिली है।

मध्यप्रदेश को मिला 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को प्रतिष्ठित बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान नई दिल्ली के ली मेरिडियन में 9 सितम्बर को भव्य इंडिया ट्रैवल अवॉर्ड्स 2025 समारोह में प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मान ने भारत के पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, उत्कृष्टता और सतत विकास को लेकर मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया है। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि यह सम्मान मध्यप्रदेश की जनता और यहां की संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पर्यटन को विकास की धुरी बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश की धरोहर, प्राकृतिक संपदा और लोक-परंपराओं को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने के लिए हम लगातार प्रयासरत हैं।